www.summerexpress.in

द SUMMER न्यूज़

समर एक्सप्रेस

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-46 • पृष्ठ-8 • मूल्य-01 रूपये • बुधवार 22 अक्टूबर 2025 • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर

न्यूज ब्रीफ

एयरफोर्स रैंकिंग: भारत तीसरा और चीन चौथे पर

बीजिंग| दुनिया की एयरफोर्स पावर की एक नई रैंकिंग में भारत को तीसरा स्थान मिला है। भारत से आगे सिर्फ अमेरिका और रूस हैं, जबकि चीन चौथे स्थान पर है। इसे लेकर चीन का सरकारी मीडिया बौखला गया है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने चीनी मिलिट्री एक्सपर्ट झांग जुन्शे के हवाले से लिखा कि इस रैंकिंग को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल वास्तविक युद्ध क्षमता ही किसी सेना की असली ताकत दिखाती है, कागज पर दिखाया गया आंकड़ा नहीं। भारतीय वायुसेना अपने विमान और उपकरण अमेरिका, रूस और बाकी देशों से खरीदती है। इससे पता चलता है कि भारत की विदेश और सुरक्षा नीतियां कितनी जटिल हैं। झांग ने कहा कि अमेरिकी और भारतीय मीडिया की हाइप का मकसद चीन-भारत प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना हो सकता है और यह गलतफहमी की खतरनाक चेन शुरू कर सकता है।

रिषभ पंत बने टीम इंडिया 'ए' के कप्तान

मुंबई| बीसीसीआई ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले जाने वाले दो चार-दिवसीय मैचों के लिए टीम इंडिया ए की घोषणा कर दी है। रिषभ पंत को कप्तान और साई सुदर्शन को उपकप्तान बनाया गया है। पहला चार-दिवसीय मैच 30 अक्टूबर से 2 नवंबर तक बेंगलुरु में होगा। दूसरा चार-दिवसीय मैच 6 नवंबर से 9 नवंबर तक होगा।

बीसीसीआई ने नकवी को ई-मेल भेजा

मुंबई|बीसीसीआई ने एशिया कप ट्रॉफी जल्द से जल्द भारत को सौंपने के लिए एशियन क्रिकेट काउंसिल के चीफ मोहसिन नकवी को ईमेल किया है। अगर नकवी आनाकानी करते हैं तो फिर मामले को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल में उठाया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इंडिया टुडे के एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी हैं। सैकिया ने कहा, हम नकवी के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। अगर वो जवाब नहीं देते या कोई निगेटिव जवाब देते हैं तो इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल में शिकायत की जाएगी।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 8146877702 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

दाल रोटी घर दी, ते दिवाली अंबरसर दी

रोशनी से सुशोभित दिख रहा श्री हरमंदिर साहिब का परिसर।

एक लाख घी के दीयों से जगमगाया दरबार साहिब

समर न्यूज़ | अमृतसर

"दाल रोटी घर दी, ते दिवाली अंबरसर दी"- यह कहावत अमृतसर में मशहूर है। और यह सच भी साबित हुई, जब पूरा शहर रोशनी, श्रद्धा और आध्यात्मिकता में डूबा नज़र आया। बंदी छोड़ दिवस और दीवाली दोनों पवित्र पर्व एक साथ मनाए गए, और अमृतसर ने उस मिलन को ऐसे जिया जैसे सच्ची दीवाली केवल अमृतसर की ही हो। श्री हरमंदिर साहिब में बंदी छोड़ दिवस के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा, जबकि श्री दुर्गियाना मंदिर में दीवाली की चमक और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंगलवार शाम ढलते ही श्री हरमंदिर साहिब परिसर को एक लाख घी के दीयों से जगमगाया गया, जिससे पूरा प्रांगण सुनहरी आभा में नहा उठा।

▪ रंग-बिरंगी आतिशबाज़ी और दीपों की... झिलमिलाहट ने वातावरण को आध्यात्मिक उल्लास से भर दिया। उसी समय, दुर्गियाना मंदिर में भगवान श्रीराम के 14 वर्षों के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की खुशी में दीवाली का पर्व मनाया गया। मंदिर को शानदार रोशनी और फूलों से सजाया गया था, और करीब तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

▪ बंदी छोड़ दिवस आज़ादी और इंसाफ़ का प्रतीक : ज्ञानी रघुबीर... श्री हरमंदिर साहिब

के मुख्य ग्रंथी ज्ञानी रघुबीर सिंह ने कहा कि बंदी छोड़ दिवस केवल रोशनी का त्योहार नहीं, बल्कि आज़ादी, न्याय और मानव अधिकारों की जीत का प्रतीक है। उन्होंने याद दिलाया कि गुरु हरगोबिंद साहिब जी ने ग्वालियर किले में कैद 52 राजाओं को मुक्त कराया था, और जब वे अमृतसर लौटे, तो श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर इस दिन को जश्न में बदला था। उन्होंने कहा —"सच्चा मुक्तिदाता वही होता है जो दूसरों को भी आज़ाद करता है। यह दिन आत्मिक स्वतंत्रता और अन्याय के ख़िलाफ़ संघर्ष का प्रतीक है।" ज्ञानी रघुबीर सिंह ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे मानवता की सेवा और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें।

पंजाब के सीएम भगवंत मान का फेक AI वीडियो बनाया

▪ विदेश में बैठे आरोपी ने लिखा : ये ट्रेलर, AI सिद्ध करने वाले को दूंगा इनाम

▪ यह मामला पंजाब में एआई फेक वीडियो से जुड़े अब तक के सबसे गंभीर मामलों में से एक माना जा रहा है।

शालू | चंडीगढ़| समर न्यूज़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की फेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है। इस वीडियो

के ज़रिए मुख्यमंत्री की छवि खराब करने की कोशिश की गई है। पंजाब पुलिस ने आरोपी की पहचान जगमन समरा, निवासी संगरूर (पंजाब) के रूप में की है। वह इस समय ब्रिटिश कोलंबिया (कनाडा) में रह रहा है। आरोपी के खिलाफ आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं और भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

▪ समरा की सोशल मीडिया पोस्ट से शुरू हुआ विवाद...

जगमन समरा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दो पोस्ट शेयर कीं, जिनमें उसने दावा किया कि यह वीडियो असली हैं। उसने लिखा —"यह तो ट्रेलर है। जो भी यह साबित कर दे कि यह AI से बनाई गई है, उसे मैं एक मिलियन डॉलर इनाम दूंगा।" उसने आगे कहा कि उसके पास भगवंत मान की आठ और अरविंद केजरीवाल की तीन वीडियो हैं, जो विदेश से वायरल की जाएंगी। पोस्ट खबर लिखने से लगभग 10 घंटे पहले डाली गई है।

▪ समरा का दावा : नए साल पर जारी होंगी और वीडियो...

जगमन समरा ने अपने दूसरे अकाउंट से एक और पोस्ट डाली, जिसमें लिखा, "यह वीडियो नई है। इसमें जो महिलाएं नजर आ रही हैं, वे रूसी हैं। यह होटल सन एंड सैंड, बॉम्बे बीच की है, जहाँ मुख्यमंत्री कारोबारियों और उद्योगपतियों से मीटिंग करने गए थे।" उसने आगे लिखा —"केजरीवाल की जो वीडियो हैं, वे साल 2022-23 की पुरानी हैं। जो भी साबित कर दे कि वे नकली हैं, उसे मैं खुद 5 करोड़ रुपए नकद इनाम दूंगा।" समरा ने यह भी लिखा कि उसके पास दो पुरानी वीडियो और हैं, जिनमें एक पंजाबी लड़की दिखाई देती है और उसका चेहरा ढका हुआ है। इन दोनों वीडियो को वह नए साल के मौके पर जारी करने की बात कह रहा है।

▪ पुलिस जांच और केस दर्ज...

यह मामला पंजाब के स्टेट साइबर क्राइम थाने में इंस्पेक्टर गगनप्रीत सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया। शिकायत में बताया गया कि फेसबुक अकाउंट 'जगमन समरा' से कई भड़काऊ और अश्लील वीडियो पोस्ट किए गए। इंस्पेक्टर की शिकायत पर केसः जांच के दौरान पता चला कि वीडियो का उद्देश्य मुख्यमंत्री की छवि खराब करना और लोगों के बीच नफरत फैलाना था। कंटेंट भड़काऊ और कानून-विरोधीः इन वीडियो का कंटेंट समाज में वैर और अशांति फैलाने वाला है, जिससे पंजाब में सार्वजनिक शांति भंग हो सकती है। AI से तैयार कंटेंट का शकः प्रारंभिक जांच में पता चला कि वीडियो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) से तैयार की गई लगती हैं, जिससे इनका असर और गंभीर हो सकता है। इस आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराएँ 340(2), 353(1), 352(2), 351(2), 336(4) और आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत केस दर्ज किया गया है।

▪ जगमन समरा के नाम से दो सोशल मीडिया अकाउंट...

पुलिस की जांच में सामने आया कि सोशल मीडिया पर जगमन समरा नाम से दो अलग-अलग अकाउंट सक्रिय हैं — पहले अकाउंट में उसने खुद को "उद्योगपति", डबल एफएफ स्टोर का ओनर व सीईओ, और "गवर्नमेंट रनवीर कॉलेज, संगरूर" से इंग्लिश में एमए पास बताया है। इस अकाउंट को अब तक 33,000 से अधिक लोग फॉलो कर रहे हैं। दूसरे अकाउंट की प्रोफाइल में उसने "शहरी फार्म" लिखा है और बताया है कि वह "डबल एफएफ स्टोर" में काम करता है तथा "पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला" से पढ़ाई की है। इस अकाउंट को लगभग 31,000 लोग फॉलो करते हैं।

पूर्व डीजीपी मुस्तफा, पत्नी सुल्ताना पर बेटे की हत्या का मामला दर्ज

यह राजनीतिक साजिश है, बेटे को मानसिक तनाव था : मुस्तफा

समर न्यूज\चंडीगढ़ | पंचकूला

हरियाणा के पंचकूला में पंजाब के पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा और उनकी पत्नी, पंजाब की पूर्व कैबिनेट मंत्री रजिया सुल्ताना पर अपने बेटे अकील अख़्तर (35) की हत्या और साजिश रचने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने एफआईआर में मुस्तफा, उनकी पत्नी रजिया, बेटी और बहू को आरोपी बनाया है।

मामला तब सामने आया जब अकील की 16 अक्टूबर की रात पंचकूला में संदिग्ध मौत के बाद उसका 27 अगस्त का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

वीडियो में अकील ने अपने पिता और पत्नी पर अवैध संबंधों और हत्या की साजिश के गंभीर आरोप लगाए थे। पंचकूला पुलिस ने शिकायतकर्ता शमशुद्दीन की शिकायत पर यह केस दर्ज किया है। शिकायत में कहा गया कि अकील की मौत संदिग्ध है और यह पूर्व डीजीपी परिवार की साजिश हो सकती है।

मामले की जांच के लिए एसीपी रैंक के अधिकारी की अगुआई में एसआईटी गठित की गई है। एफआईआर मनसा देवी कॉम्प्लेक्स थाना, पंचकूला में BNS की धारा 103(1) और 61 के तहत दर्ज की गई है।

▪ मुस्तफा का बयानः वीडियो "एडिटेड और भ्रामक...

पूर्व डीजीपी मोहम्मद मुस्तफा ने सारे आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा —"यह एक राजनीतिक षड्यंत्र है। मेरा बेटा पिछले कुछ महीनों से मेंटल स्ट्रेस में था। हम सब उसके इलाज और भलाई के लिए कोशिश कर रहे थे। किसी ने उसकी पुरानी निजी परेशानी को उछालकर हमारे खिलाफ साजिश रची है। मैं और मेरा परिवार कानून का सम्मान करते हैं और जांच में पूरा सहयोग देंगे।" उन्होंने आगे कहा कि यह वीडियो "एडिटेड और भ्रामक" है और इसकी जांच किसी निष्पक्ष एजेंसी से करवाई जाए।

▪ पुलिस जांच जारी, फोन डेटा और सीसीटीवी की फॉरेंसिक जांच...

पंचकूला पुलिस ने मृतक अकील के मोबाइल डेटा, चैट हिस्ट्री और सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। साइबर टीम यह भी जांच कर रही है कि अकील का वीडियो किस डिवाइस और लोकेशन से अपलोड किया गया था। अकील का वीडियो बना सबूत, कहा- "मेरे पिता और पत्नी के बीच अफेयर था" 7 अगस्त को पोस्ट किए गए 16 मिनट 11 सेकंड के वीडियो में अकील ने कहा था-

"आज 27 अगस्त 2025 है। मैं यह वीडियो सिर्फ अपने रिकॉर्ड के लिए शूट कर रहा हूँ।डेढ़ साल पहले मुझे पता चला कि मेरे डैड का मेरी वाइफ के साथ अफेयर है। शादी के एक साल बाद 2018 में मैंने इन्हें ड्रेसिंग रूम के पास पकड़ा था।

गायिका कौर बी ने वीडियो वायरल पर तोड़ी चुप्पी

शरारती तत्वों ने वीडियो से छेड़छाड़ कर गलत तरीके से अपलोड किया

समर न्यूज़ | जालंधर

पंजाबी म्यूज़िक इंडस्ट्री की मशहूर गायिका कौर बी का एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार, कुछ शरारती तत्वों ने वीडियो के साथ छेड़छाड़ कर उसे गलत तरीके से टिकटॉक पर अपलोड किया। वीडियो को इस तरह एडिट किया गया कि ऐसा लगे मानो वह किसी होटल रेड से भाग रही हों, जबकि असलियत में वह गायक हंसराज हंस की पत्नी के भोग कार्यक्रम में शामिल हुई थीं। इस वीडियो के साथ छेड़छाड़ कर गायिका की छवि को धूमिल करने की कोशिश की गई, जिस पर अब कौर बी ने चुप्पी तोड़ दी है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक लंबी पोस्ट शेयर कर अपनी प्रतिक्रिया दी। कौर बी ने लिखा कि, "पिछले 5-6 महीनों से मैं इस वीडियो को नज़रअंदाज़ कर रही थी, लेकिन अब यह फिर से वायरल हो रहा है। ख़ासकर वे लोग जो विदेश में रहते हैं और टिकटॉक का इस्तेमाल करते हैं, वे इसके बारे में पूछ रहे हैं।" गायिका ने अपनी पोस्ट में दुख जताते हुए लिखा —"मौत तो छोड़ो, बेशर्मो, तुम्हारे भी परिवार होंगे। वाहेगुरु करे कि किसी के परिवार पर ऐसा वक्त कभी न आए।" उनकी यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

डीआईजी भुल्लर के साथ पकड़ा गया राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी

• पुलिस विभाग में करता था सारे "प्रबंध", अफसरों और नेताओं से गहरे रिश्ते

समर न्यूज़ |मोहाली, नाभा

पंजाब पुलिस के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर के साथ रिश्वतखोरी के मामले में राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी रह चुके कृष्णू शारदा को भी सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को 31 अक्तूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।सीबीआई के सूत्रों के मुताबिक, कृष्णू भुल्लर का भरोसेमंद संपर्क सूत्र (मध्यस्थ) था, जो विभाग में अफसरों के बीच "प्रबंध" करने के लिए मशहूर था।

▪ राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी, अब बना पुलिस अधिकारियों का 'फिक्सर'... कृष्णू शारदा कभी राष्ट्रीय हॉकी टीम में खेल चुका है। करीब तीन साल पहले उसने हॉकी खेलना छोड़ दिया और पुलिस विभाग के अधिकारियों और राजनेताओं के लिए काम करने लगा। वह अपने संपर्कों के ज़रिए किसी

का नाम एफआईआर में जोड़ना या हटवाना, या फिर जांच की दिशा प्रभावित करना, सब "कुछ मिनटों में कराने" का दावा करता था। उसके सोशल मीडिया अकाउंट्स पर कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और राजनेताओं के साथ तस्वीरें पाई गई हैं। जानकारी के अनुसार, कृष्णू ने कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू के साथ भी काम किया था और उनके साथ तस्वीरें पोस्ट की थीं।

▪ 8 लाख की रिश्वत लेते पकड़ा गया डीआईजी और उसका साथी... 16 अक्तूबर को सीबीआई ने डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर को एक स्क्रैप डीलर से 8 लाख रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथों गिरफ्तार किया था। उसी केस में अब कृष्णू शारदा को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, सीबीआई जल्द ही दोनों को फिर से रिमांड पर लेकर पूछताछ कर सकती है, क्योंकि जांच में कई नए खुलासों की संभावना है।

▪ कृष्णू ने ही डीआईजी को कारोबारी से मिलवाया था... सीबीआई की जांच में सामने आया कि कृष्णू ने ही शिकायतकर्ता की जानकारी डीआईजी तक पहुंचाई थी। शिकायतकर्ता आकाश बत्ता, निवासी मंडी गोबिंदगढ़ (जिला फतेहगढ़ साहिब) ने बताया कि वह कृष्णू को पहले से जानता था। कृष्णू को उसके खिलाफ सरहिंद थाना में दर्ज एफआईआर की जानकारी थी। आकाश ने कहा —"कृष्णू ने ही मेरी बात डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर से करवाई थी। उसने कहा था कि वह मेरे केस को 'सेटल' करा सकता है, बस पैसे देने होंगे।" आकाश का आरोप है कि कृष्णू ने इस बहाने उससे रिश्वत की रकम तय करवाई और सीबीआई को इसकी भनक लगने पर डीआईजी को रंगेहाथ पकड़ा गया।

कई नेताओं और अफसरों के साथ फोटो वायरल... सीबीआई की जांच में कृष्णू के सोशल मीडिया अकाउंट्स से दर्जनों तस्वीरें बरामद हुई हैं, जिनमें वह सीनियर पुलिस अधिकारियों, बिज़नेसमैन और राजनीतिक हस्तियों के साथ नजर आ रहा है।

स्मृति शेष... (1939 – 2025) हास्य के हर फ्रेम में एक मुस्कान छोड़ जाने वाला चेहरा अब सदा के लिए खामोश हो गया

अंग्रेजों के ज़माने के जेलर नहीं रहे गोवर्धन असरानी

एजेंसी | मुंबई

हिंदी सिनेमा जगत से सोमवार को एक दुखद ख़बर आई — मशहूर अभिनेता और निर्देशक गोवर्धन असरानी का 84 वर्ष की आयु में मुंबई के जुहू स्थित आरोग्य निधि अस्पताल में निधन हो गया। दोपहर बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। परिवार के निर्णय के अनुसार उनका अंतिम संस्कार उसी शाम शांतिपूर्वक सांताक्रूज़ के शास्त्री नगर श्मशानभूमि में नज़दीकी परिजनों की मौजूदगी में कर दिया गया। असरानी के मैनेजर बाबूभाई थीबा ने बताया कि वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे। उनकी तबीयत लगातार गिर रही थी और सोमवार को उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

▪ शोर नहीं, बस शांति चाहिए थी... अपने अंतिम दिनों में असरानी ने अपनी पत्नी मंजू असरानी से कहा था कि उनके निधन पर कोई हो-हल्ला न किया जाए। यही वजह रही कि परिवार ने सार्वजनिक घोषणा किए बिना उनका अंतिम संस्कार कर दिया। "वो हमेशा कहते थे — ज़िंदगी को हँसते हुए जियो, और जाते वक्त भी

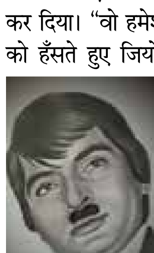

मुस्कान छोड़ जाओ," मंजू ने एक बार एक साक्षात्कार में कहा था।

▪ 350 से अधिक फ़िल्मों में जादू बिखेरने वाला कलाकार... गोवर्धन असरानी ने अपने पाँच दशकों से भी अधिक लंबे करियर में 350 से ज़्यादा फ़िल्मों में अभिनय किया। उनकी कॉमिक टाइमिंग, संवेदनशील अभिनय और अभिव्यक्ति की सहजता ने उन्हें दर्शकों के दिलों में स्थायी स्थान दिया। 'शोले' (1975) के "अंग्रेजों के ज़माने के जेलर" के रूप में उनकी भूमिका आज भी लोगों के चेहरों पर मुस्कान ला देती है। "हमारा नाम है जेलर साहब! अंग्रेजों के ज़माने के जेलर हैं हम!" — यह संवाद सिनेमा प्रेमियों के ज़हन में हमेशा के लिए दर्ज हो गया।

▪ 'बावर्ची' से 'हेरा फेरी' तक — हर दौर का साथी... 1970 के दशक से लेकर 2000 तक असरानी हर पीढ़ी के पसंदीदा कलाकार रहे। उन्होंने 'बावर्ची', 'कोशिश', 'परिचय', 'अभिमान', 'छोटी सी बात', 'रफ़ू चक्कर', 'चुपके चुपके' जैसी फिल्मों में अपनी उपस्थिति से हर दृश्य को जीवंत बना दिया। बाद में 'हेरा फेरी' और 'आ अब लौट चलें' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने यह साबित किया कि हास्य कलाकार केवल हँसाने के लिए नहीं होते, वे भावनाएँ भी जगाते हैं।

▪ जयपुर से जुड़ी जड़ों वाला सादगीभरा कलाकार... असरानी मूल रूप से जयपुर के रहने वाले थे। उन्होंने अपनी शिक्षा सेंट जेवियर स्कूल, जयपुर से पूरी की। शुरुआत में वे स्टेज कलाकार थे, लेकिन जल्द ही सिनेमा ने उन्हें अपना लिया। कहा जाता है कि फिल्म 'मेरे अपने' की शूटिंग के दौरान असरानी ने राजेश खन्ना को कहा था — "काका, अगर दर्शक मुझे देखके मुस्कुराए, तो समझिए मैं ज़िंदा हूँ।" आज वही मुस्कान करोड़ों चेहरों पर उनकी याद बनकर रह गई है।

▪ सहकर्मियों की श्रद्धांजलि... फ़िल्म इंडस्ट्री के कई कलाकारों ने असरानी को याद करते हुए सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दी। अमिताभ बच्चन ने लिखा —"असरानी जी के साथ अनगिनत दृश्य साझा किए। उनकी सहजता, हँसी और गर्मजोशी आज भी याद है।

देश की हवा हुई ज़हरीली भारी मात्रा में फोड़े पटाखे, दिल्ली का AQI 345 पार

एजेंसी|नई दिल्ली

देशभर में सोमवार, 20 अक्टूबर को लोगों ने धूमधाम से दीवाली मनाई। इमारतों को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया, घरों में मिट्टी के दीए जलाए गए और मंदिरों में पूजा-अर्चना की गई। हालांकि, राजधानी दिल्ली में इस बार दीवाली की चमक के साथ-साथ प्रदूषण का धुआं भी छा गया। सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बाद दिल्ली में "ग्रीन पटाखे" के सीमित इस्तेमाल की इजाज़त दी गई थी, लेकिन लोगों ने बड़ी मात्रा में पटाखे फोड़े, जिससे हवा की गुणवत्ता अचानक गिर गई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सोमवार को दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 345 दर्ज किया गया, जो "बहुत ख़राब" श्रेणी में आता है। रविवार को यह स्तर 326 था। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मंगलवार और बुधवार को यह स्थिति "गंभीर" श्रेणी तक पहुँच सकती है।

कनाडा की पैराग्लाइडर पायलट मैगन धौलाधार की तलहटी में मृत मिली

राहुल चावला|कांगड़ा| समर न्यूज़

कांगड़ा जिले में बीड़-बिलिंग से लापता कनाडा निवासी पैराग्लाइडर पायलट मैगन एलिज़ाबेथ का शव धौलाधार की तलहटी में बरामद किया गया है। यह जानकारी कांगड़ा की एडीएम शिल्पी वेक्टा ने दी है। एडीएम शिल्पी वेक्टा ने बताया कि 19 अक्तूबर को सूचना मिली थी कि विदेशी पैराग्लाइडर पायलट ने बीड़-बिलिंग से सोलो उड़ान भरी थी, लेकिन उड़ान के दौरान वह दिशा भटक गईं और धौलाधार की पहाड़ियों में कहीं लापता हो गईं। सूचना मिलते ही प्रशासन ने तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया। रेस्क्यू टीम को आदी हिमानी चामुंडा की पहाड़ियों की ओर रवाना किया गया और दिन के उजाले में हेलीकॉप्टर की भी मदद ली गई। हालांकि इलाके की दुर्गमता के कारण अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन

कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने महिला पायलट को ढूंढ निकाला। दुर्भाग्यवश, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। टीम द्वारा मृतका का शव कांगड़ा लाया गया है और टांडा मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखवाया गया है। एडीएम शिल्पी वेक्टा ने बताया कि यह सोलो फ्लाइट थी, इसलिए घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जांच के बाद पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

संभावित आतंकी हमला टला; अमृतसर में आरपीजी और लांचर सहित दो गिरफ्तार

» खेप भेजने वाले पाकिस्तानी आईएसआई गुर्गे के संपर्क में थे, गिरफ़्तार किये दोषीः डीजीपी गौरव यादव

» फिरोज़पुर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाया जाएगा आरोपी हरप्रीत उर्फ विक्की : एसएसपी मनिंदर सिंह

समर न्यूज | चंडीगढ़/अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के अभियान के दौरान, खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से एक आतंकी मॉड्यूल के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से एक रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आर.पी.जी.) सहित लांचर बरामद किया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.) गौरव यादव ने आज दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान महकदीप सिंह उर्फ महक, निवासी वडाली (अमृतसर) और आदित्य उर्फ अधी, निवासी गांव भागा छीना, अमृतसर के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने आर.पी.जी. बरामद करने के अलावा उनका मोटरसाइकिल, जिस पर वे सवार थे, भी जब्त किया है।

डी.जी.पी. गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी पाकिस्तान के आई.एस.आई. के एक गुर्गे के संपर्क में थे, जिसने सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से यह खेप भेजी थी, और हरप्रीत सिंह उर्फ विक्की, जो इस समय फिरोज़पुर जेल में बंद है, के भी संपर्क में थे। उन्होंने कहा, ''यह आर.पी.जी. एक योजनाबद्ध आतंकी हमले के लिए इस्तेमाल किया जाना था।'' डीजीपी ने कहा कि अगले-पिछले सम्बन्ध स्थापित करने के लिए और जांच की जा रही है जिससे पूरे नैटवर्क का पता लगाया जा सके।

ऑपरेशन से संबंधित विवरण साझा करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एस.एस.पी.) अमृतसर ग्रामीण मनिंदर सिंह ने बताया कि पुख्ता सूचना मिली थी कि दोनों संदिग्ध व्यक्ति - महकदीप और आदित्य - ने हरप्रीत उर्फ विक्की के निर्देशों पर आर.पी.जी.-22 नेटो एंटी-टैंक रॉकेट लांचर की खेप प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि इस पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीमों ने दोनों संदिग्धों को उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वे खेप पहुंचाने जा रहे थे।

एस.एस.पी. ने बताया कि उन व्यक्तियों की पहचान के लिए जांच जारी है, जिन्हें यह खेप डिलीवर की जानी थी। उन्होंने कहा कि आगे पूछताछ के लिए आरोपी हरप्रीत उर्फ विक्की को भी फिरोज़पुर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाया जाएगा।

इस संबंध में अमृतसर ग्रामीण के थाना घरिंडा में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 तथा भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस.) की धारा 113 के तहत एफआईआर नंबर 331, दिनांक 21/10/2025 को केस दर्ज किया गया है।

पंजाब की यूनिवर्सिटियों और कॉलेजों में श्री गुरु तेग बहादुर जी की विरासत और शहादत पर आयोजित किए जाएंगे सेमिनार

» इस पहल का उद्देश्य धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार के लिए शहादत देने वाले नौवें पातशाह और उनके निःस्वार्थ सेवकों के जीवन से युवाओं को प्रेरित करना हैः हरजोत सिंह बैंस

समर न्यूज | चंडीगढ़

राज्य के युवाओं में सत्य के मार्ग पर चलने, बलिदान की भावना और धार्मिक स्वतंत्रता के मूल्यों को संजोने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस ने सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों (वी.सी.) और कॉलेज प्रिंसिपलों - जिनमें निजी और सहायता प्राप्त संस्थान भी शामिल हैं - को निर्देश दिए हैं कि वे नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के जीवन, शिक्षाओं और शहादत पर व्यापक सेमिनार आयोजित करें।

निःस्वार्थता, समानता और मानवाधिकारों पर गुरु साहिब जी के दर्शन को रेखांकित करते हुए श्री हरजोत सिंह बैंस ने सभी वी.सी. और प्रिंसिपलों को पत्र लिखकर 27 अक्तूबर 2025 से 30 नवंबर 2025 तक अपने संस्थानों में इस विषय पर सेमिनार और अन्य कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

शैक्षणिक संस्थानों में इन कार्यक्रमों के दौरान धार्मिक मर्यादा बनाए रखने के निर्देश देते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि वी.सी. और प्रिंसिपल सेमिनारों में प्रमुख सिख विद्वानों को आमंत्रित करें, ताकि विद्यार्थियों को नौवें पातशाह की महान शहादत - जिन्होंने धर्म की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए बलिदान दिया - के बारे में जागरूक किया जा सके। ये सत्र उनके निःस्वार्थ सेवकों - भाई सती दास जी, भाई मती दास जी, भाई दयाला जी और भाई जैता जी (बाबा जीवन सिंह जी) - के अद्वितीय साहस, वीरता और अटूट विश्वास पर भी प्रकाश डालेंगे, जिनकी गुरु जी के प्रति भक्ति की गाथाएं इतिहास के सुनहरे पन्नों में दर्ज हैं।

उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य राज्य की समृद्ध विरासत और इसके आधुनिक शैक्षणिक ढांचे के बीच सेतु बनाते हुए यह सुनिश्चित करना है कि इन महान नायकों की विरासत आने वाली पीढ़ियों को न्याय, सत्य और नैतिक मूल्यों के सिद्धांतों पर चलने के लिए प्रेरित करती रहे।

तरनतारन उपचुनाव : नामांकन के अंतिम दिन 11 नामांकन पत्र दाखिल

समर न्यूज | चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा की 21-तरन तारन सीट के उप चुनाव के लिए नामांकन के अंतिम दिन कुल 11 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं। पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि तरन तारन सीट से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार करणबीर सिंह ने आज एक और नामांकन पत्र दाखिल किया है। इसके अलावा, मनदीप सिंह पुत्र महिंदर पाल सिंह ने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में दो नामांकन दाखिल किए हैं। वहीं, लक्खा सिंह, गुरमीत कौर, जसवंत सिंह, हरप्रीत सिंह, सारिका जोड़ा, हरपाल सिंह, मनदीप सिंह पुत्र नरिंदर सिंह और संजीव सिंह ने भी स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। उल्लेखनीय है कि आज नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि थी और नामांकन पत्रों की जांच 22 अक्टूबर को की जाएगी, जबकि नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर 2025 निर्धारित की गई है।

मोहाली में सेहत विभाग की ओर से आज भी दी जाएगी इमरजेंसी सेवाएं

हरजीत मठारू | मोहाली
समर न्यूज

दिवाली का त्यौहार जैसे कि आज भी मनाया जाएगा इसके चलते मोहाली सेहत विभाग की तरफ से सारे अस्पतालों में डमरजेंसी सेवाएं लोगों के लिए मुहैया करवाई गाएगी। इस संबंधी आदेश पहलेही जारी कर दिए गए थे ओर इसके साथ ही फायर बिग्रेड टीमें को भी संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया है। ताकि किसी भी किस्म की घटना ना हो सके अगर अचानक कोई घटना हुई तो उसके ऊपर तुरंत काबू डाला जा सके।

पुलिस - राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ : एसएसपी हरमनदीप हांस

» पुलिस कर्मियों का ऊंचा मनोबल राष्ट्र को सुरक्षित रखता हैः डीसी कोमल मित्तल » पंजाब पुलिस अपने कर्मियों और उनके परिवारों के साथ दृढ़ता से खड़ी हैः एसएसपी » मोहाली में पुलिस स्मृति दिवस परेड में 191 पुलिस और अर्धसैनिक बलों के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई

प्रदीप सिंह हैप्पी | मोहाली
समर न्यूज

राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने की ज़िम्मेदारी पुलिस के कंधों पर है। पुलिस बल का अटूट समर्पण और उत्साह देश की सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करता है, यह बात मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हरमनदीप सिंह हांस, आई पी एस ने जिला प्रशासनिक परिसर, एस ए एस नगर में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस परेड के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस हर साल 21 अक्टूबर को उन बहादुर सी आर पी एफ कर्मियों के सम्मान में मनाया जाता है जिन्होंने 1959 में लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर गश्त करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

यह दिन उन सभी पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को याद करने के लिए समर्पित है जिन्होंने राष्ट्र के लिए कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है। एस एस पी ने बताया कि पिछले वर्ष भारत भर के विभिन्न पुलिस और अर्धसैनिक बलों के 191 जवानों ने शहादत प्राप्त की। उन्होंने कहा, "देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले हमारे सच्चे नायक हैं। उनकी बहादुरी और समर्पण पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।"

उन्होंने आगे कहा कि पंजाब पुलिस ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी साहसी लड़ाई के लिए दुनिया भर में पहचान बनाई है। उग्रवाद के वर्षों के दौरान, पंजाब पुलिस के अधिकारियों और कर्मियों ने राज्य में शांति और सद्भाव बहाल करने के लिए सर्वोच्च बलिदान दिए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, "हमें उनके बलिदानों को हमेशा याद रखना चाहिए और राष्ट्र के गौरव को बढ़ाने के उनके सपनों को पूरा करने की दिशा में काम करना चाहिए।"

आतंकवाद से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले और अब एस ए एस नगर में रह रहे पंजाब पुलिस अधिकारियों/कर्मियों के 35 परिवारों का ज़िक्र करते हुए, एस एस पी ने उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। कई परिवार के सदस्यों ने अपनी चिंताएँ साझा कीं और उन्हें ज्ञापन सौंपे, जिनका उन्होंने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए, उपायुक्त श्रीमती कोमल मित्तल ने कहा कि हर साल पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन हमें उन बहादुर कर्मियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों ने हमेशा साहस के साथ देश की सेवा की है - चाहे आतंकवाद से लड़ना हो या आपात स्थितियों और महामारी का सामना करना हो। उन्होंने कहा, "उनका बलिदान हमें राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्य की याद दिलाता है। हमें हमेशा उनकी वीरता को याद रखना चाहिए और देश की सुरक्षा में अपने तरीके से योगदान देना चाहिए।"

इस अवसर पर, उपायुक्त श्रीमती कोमल मित्तल और एस एस पी हरमनदीप सिंह हांस ने पुलिस शहीदों के सचित्र स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस से पहले शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन भी रखा गया। स्मृति दिवस परेड की अगुवाई डी एस पी पृथ्वी सिंह चाहल ने की। शहीदों के नाम पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) हरसिमरत सिंह छेतरा ने पढ़े।

इस अवसर पर श्री अनीश कुमार गोयल (मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मोहाली), सभी पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक, थाना प्रभारी, पुलिसकर्मी और शहीदों के परिवारजन उपस्थित थे, जिन्होंने अपने प्रियजनों की स्मृति में पुष्पांजलि अर्पित की।

पंजाब में बाढ़ प्रभावित इलाकों में 3 महीनों से लगातार भाटी जा रही है राहत सामग्री : करनैल सिंह पीरमोहम्मद

» आने वाली सर्दी के लिए किए गए हैं पुख्ता प्रबंध

हरजीत मठारू | चंडीगढ़
समर न्यूज

दिवाली और बंदी छोड़ दिवस के मौके पर पंजाब में हड़ प्रभावित हुए इलाकों में ऑल इंडिया सिख स्टूडेंट फेडरेशन, आशरे फाउंडेशन ओर करतार आसारा ट्रस्ट की ओर से राहत सामग्री बांटी गई।

जानकारी देते हुए ऑल इंडिया सिख स्टूडेंट फेडरेशन के सरपरस्त और शिरोमणि अकाली दल के मुख्य बुलारे करनैल सिंह पीरमोहम्मद ने बताया कि पिछले तीन महीना से उनकी टीम की ओर से हड़ प्रभावित हुए इलाकों में लगातार उन परिवारों की मदद की जा रही है जो हड़ आने के कारण बेघर हो गए थे ओर जिनके पास ना तो घर ना रहने की जगह ना कुछ खाने के लिए और न पहनने के लिए कपड़ा बचे थे उन्हों ने बताया कि उनकी टीम की ओर से उन परिवारों को जैसी भी मदद चाहिए होती थी वैसी उनकी टीम की ओर से मदद दी जा रही है।

पीरमोहम्मद ने समर एक्सप्रेस से बातचीत करते हुए बताया कि वो इस दिवाली और बंदीछोड़ दिवस के मौके पर इन हड़ प्रभावित हुए परिवारों के लिए नई जिंदगी की आस और रोशनी लाने की कोशिश कर रहे हैं ता की यह परिवार के लोग अपनी नई जिंदगी शुरू कर सकें क्योंकि हड़ के कारण इनका बहुत ज्यादा नुकसान हो गया था। बातचीत करते हुए पीरमोहम्मद ने बताया कि वह पूरे वचन बंद है की उनकी टीम की ओर से जितनी भी ज्यादा से ज्यादा इन परिवारों की मदद करनी पड़ी तो वह करेंगे। उन्होंने बताया कि इस दिवाली के मौके पर डेरा बाबा नानक के अलग-अलग गांव में जाकर के राहत सामग्री बांटी गई है और 15 परिवारों को आर्थिक सहायता के तौर पर गियारा गियारा हजार रुपए के साथ आने वाले समय में सर्दी को देखते हुए गर्म कपड़े जैसे की स्वेटर, हूडीज , जूते बांटे गए हैं । इस मौके पर उनके साथ शिरोमणि संत खालसा इंटरनेशनल फाऊंडेशन के चेयर पर्सन संत बाबा प्रितपाल सिंह जी ओर करतार आसरा ट्रस्ट की चेयरपर्सन के बीबी चरणकमल कौर के साझे उपराले के साथ मोगा, फिरोजपुर ,अमृतसर गुरदासपुर,रोपड़ , कपूरथला और जालंधर के पास भी जो इलाके हड़ प्रभावित हुए थे उनमें भी लगातार राहत सामग्री बाटी जा रही है।

मोहाली फेज 11 में पटाखे की चिंगारी से कार जलकर हुई राख

हरजीत मठारू | मोहाली
समर न्यूज

मोहाली फेस 11 में एक अर्टिगा कर को पटाखे की चिंगारी लगने के कारण आग लग गई और जिसके कारण गाड़ी जलकर राख हो गई।

गाड़ी को आग लगने के बाद नजदीकी लोगों ने दमकल विभाग को सूचित किया और कुछ समय में फायर ब्रिगेड की गाड़ी आई और उनकी ओर से गाड़ी पर लगी आग पे काबू डाला गया।

जानकारी मुताबिक पता चला है कि जब शहर वासी दिवाली का त्योहार मना रहे थे और पटाखे चला रहे थे पटाखे की चिंगारी आकर गाड़ी पर पड़ी और फिर पटाखे की जानकारी में गाड़ी को अपनी लपेट में ले लिया जिसके कारण सारी गाड़ी जलकर राख हो गई। मौके पर साथ में और भी 10 गाड़ियां खड़ी थी जिनको लोगों की ओर से दूर करके बचाया गया। पुलिस द्वारा मामला दर्ज करके आगे की कार्रवाई शुरू की गई है।

जीरकपुर में पटाखों में बारूद भरते समय हुआ बड़ा धमाका, 32 लोग घायल

हरजीत मठारू | मोहाली
समर न्यूज

मोहाली के जीरकपुर में दीवाली से पहले पटाखों की तैयारी के बीच चौधरी कालोनी में सोमवार को एक बड़ा हादसा हुआ, जब घर में पटाखों में बारूद भरते समय अचानक धमाका हो गया।

ओर मौके पर मौजूद हादसे में 26 वर्षीय युवक सूरज गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित सरकारी अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

सूत्रों द्वारा जानकारी के अनुसार पता चला हे कि, हादसे के समय सूरज घर पर अकेला था। उसका परिवार किसी काम से बाहर गया हुआ था। बताया जा रहा है कि वह घर में पटाखे तैयार कर रहा था और उसी दौरान एक पटाखे में बारूद भरते समय अचानक विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था कि आसपास के लोग दहशत में आ गए और कालोनी में अफरा-तफरी मच गई। विस्फोट के बाद सूरज बुरी तरह झुलस गया, खासकर उसके हाथ और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं।

पारंपरिक त्योहारों को पूरी श्रद्धा, सम्मान व मर्यादा के साथ मनाएं : रौड़ी

समर न्यूज | चंडीगढ़/गढ़शंकर

पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर श्री जय कृष्ण सिंह रौड़ी ने हलका गढ़शंकर सहित दुनियाभर में बसे पंजाबियों को दीवाली, बंदी छोड़ दिवस और विश्वकर्मा दिवस सहित अन्य पवित्र त्योहारों की शुभकामनाएं दी हैं।

डिप्टी स्पीकर श्री जय कृष्ण सिंह रौड़ी ने कहा कि हमें अपने पारंपरिक त्योहारों को पूरी श्रद्धा, सम्मान और मर्यादा के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने गुरु-पीरों द्वारा सत्य के मार्ग पर चलने की दी गई शिक्षाओं का पालन करने की अपील भी की।

सभी की सुख-शांति के लिए परमात्मा से अरदास करते हुए डिप्टी स्पीकर ने लोगों से अपील की कि दीवाली और बंदी छोड़ दिवस जैसे पवित्र पर्व पारंपरिक ढंग से मनाए जाएं और पटाखे चलाने से परहेज किया जाए। उन्होंने कहा कि पटाखे चलाने से जहां प्रदूषण फैलता है, वहीं इनके धमाकों से बेजुबान जानवरों में डर और सहम का माहौल बनता है। इसलिए हमें इंसानियत के नाते ऐसा कोई भी गलत कार्य नहीं करना चाहिए।

'युद्ध नशे विरुद्ध': 234वें दिन पंजाब पुलिस ने 11 नशा तस्करों को 4.2 किलोग्राम हेरोइन सहित किया गिरफ्तार

» 'नशा छुड़ाने' के तहत, पंजाब पुलिस ने 23 व्यक्तियों को नशा मुक्ति उपचार के लिए किया राज़ी

समर न्यूज | चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य से नशों के पूर्ण उन्मूलन के लिए चलाई जा रही मुहिम "युद्ध नशों विरुद्ध" के 234वें दिन, पंजाब पुलिस ने मंगलवार को 248 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान राज्यभर में 11 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया और 11 एफआईआर दर्ज की गईं। इस प्रकार, 234 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या बढ़कर 33,500 हो गई है।

छापेमारियों के दौरान गिरफ्तार तस्करों के कब्जे से 4.2 किलोग्राम हेरोइन, 338 नशीली गोलियां/कैप्सूल, और 23,220 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के निर्देश दिए हैं। नशों के खिलाफ इस जंग की निगरानी के लिए पंजाब सरकार ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है।

59 गजटेड अधिकारियों की देखरेख में, 800 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 100 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्यभर में 248 स्थानों पर छापेमारियां कीं। दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 254 संदिग्ध व्यक्तियों की भी जांच की।

राज्य सरकार ने नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति – प्रवर्तन, नशा मुक्ति और रोकथाम लागू की है। 'नशा मुक्ति' अभियान के हिस्से के रूप में, आज पंजाब पुलिस ने 23 व्यक्तियों को नशा मुक्ति और पुनर्वास उपचार के लिए राज़ी किया है।

वो चार पंजाबी सितारे जो हमसे जुदा हो चले, जिनकी चमक हमेशा अमर रहेगी

जसविंदर भल्ला, चरणजीत अहूजा, राजवीर जवंदा और वरिंदर घुम्मन की याद : इन चारों ने सिर्फ अपने क्षेत्र में नहीं, बल्कि पंजाबी संस्कृति, संगीत, सिनेमा और खेल के गौरव को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया

गुरशरण सिंह | मोहाली

पंजाब की धरती हमेशा से सितारों की धरती रही है। यहां जन्म लेने वाले कलाकारों, गायकों और खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत से पूरी दुनिया में नाम कमाया। लेकिन बीते कुछ दिनों में पंजाब ने अपने चार ऐसे चमकते सितारे खो दिए, जिनकी रुख़्सती ने हर दिल को झकझोर दिया, हंसी के बादशाह जसविंदर भल्ला, प्रसिद्ध संगीत निर्देशक चरणजीत अहूजा, गायक व अभिनेता राजवीर जवादां और भारत के "ही-मैन" वरिंदर सिंह घुम्मन।

जसविंदर भल्ला - हंसी के बादशाह

जसविंदर भल्ला पंजाबी कॉमेडी का वह नाम थे, जो हर घर में हंसी का कारण बन गए। उनकी बात करने का अंदाज़, उनका सधा हुआ ह्यूमर और ज़िंदगी को हंसी के ज़रिए देखने की कला लोगों को हमेशा खुशी देती रही। उनकी मौत के साथ पंजाबी सिनेमा के हास्य का एक स्वर्ण युग समाप्त हो गया।

"कैरी ऑन जट्टा", "चक दे फट्टे" जैसी फिल्मों में उनकी आवाज़ और उनका हास्य अब सिर्फ यादों में बस गया है। जसविंदर भल्ला का जन्म 4 मई 1960 को पंजाब के लुधियाना ज़िले के दरगापुर गांव में हुआ। बचपन से ही वे बेहद खुशमिज़ाज और हाजिरजवाब थे। पढ़ाई में भी वे होशियार थे, उन्होंने लुधियाना से अपनी शिक्षा प्राप्त की और बाद में पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी से पीएच डी. की डिग्री हासिल की।

पढ़ाई के साथ-साथ उन्हें हास्य का शौक था। यूनिवर्सिटी के दिनों में ही उन्होंने मंचीय नाटकों और स्किट्स में भाग लेना शुरू किया। उनके स्किट "चंडीगढ़ आले", "नॉटी बाबा इन ट्रबल" और "लालू नानी" लोगों के दिलों में बस गए।

उन्होंने रेडियो शोज़ जैसे "चंका ते मंका" से करियर की शुरुआत की और फिर फिल्मों की ओर रुख किया। "कैरी ऑन जट्टा", "जट्ट एंड जूलियट", "मन्नी पुआरियां" और "मिस पंजाबन" जैसी फिल्मों से वे पंजाबी सिनेमा के हास्य सम्राट बन गए।

हास्य के साथ-साथ वे पीएयू में मिट्टी विज्ञान विभाग में प्रोफेसर भी रहे। वे सादगी, परिवारिक मूल्यों और पंजाबी संस्कृति के सच्चे प्रेमी थे। उनका जीवन इस बात का प्रमाण था कि "हंसी भी एक इबादत होती है।"

22 अगस्त 2025 में, यह मुस्कान सदा के लिए शांत हो गई। उनकी मौत ने पंजाबी सिनेमा को गहरा आघात पहुंचाया, लेकिन उनके संवाद, किरदार और हंसी हमेशा लोगों के दिलों में जिंदा रहेंगे।

चरणजीत अहूजा

चरणजीत अहूजा ने पंजाबी संगीत को वह मिठास दी, जिसकी गूंज आज भी हर रूह को छू जाती है। उनके संगीत ने कई अमर गायकों को जन्म दिया - उन्होंने गुरदास मान, हंसराज हंस और अन्य कई प्रसिद्ध गायकों के लिए संगीत तैयार किया। उनकी धुनें सिर्फ संगीत नहीं, बल्कि दिलों की भाषा थीं।

आज गोवर्धन पूजा, कल मनाएंगे भाई दूज के साथ चित्रगुप्त पूजा

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

दीपावली के पावन पर्व के बाद अब धार्मिक उत्सवों की श्रृंखला जारी रहेगी। बुधवार और वीरवार को शहर में चित्रगुप्त पूजा, भाई दूज और गोवर्धन पूजा पूरे श्रद्धा भाव से मनाई जाएगी। मंदिरों, घरों और सामुदायिक स्थलों पर तैयारियाँ जोरों पर हैं।

▪ **चित्रगुप्त पूजा : आस्था और ज्ञान की आराधना**... *धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि यानी भाई दूज के दिन भगवान चित्रगुप्त की पूजा की जाती है। कहा जाता है कि भगवान चित्रगुप्त कलम और दवात की सहायता से समस्त जीवों के अच्छे और बुरे कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं। इसी कारण इस दिन को मस्यधार पूजा भी कहा जाता है — क्योंकि इसमें कलम और स्याही की विशेष पूजा होती है।*

यह पर्व विशेष रूप से कायस्थ समाज के लोगों द्वारा बड़े श्रद्धा भाव से मनाया जाता है।

▪ **पूजा मुहूर्त**ः *कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि 22 अक्टूबर रात 8:16 बजे से शुरू होकर 23 अक्टूबर रात 10:46 बजे तक रहेगी। इसलिए चित्रगुप्त पूजा और भाई दूज 23 अक्टूबर (गुरुवार) को मनाई जाएगी।*

▪ **शुभ समय**ः *दोपहर 1:13 बजे से 3:28 बजे तक।*

▪ **पूजा विधि**ः इस दिन स्नान के बाद पूजा स्थल को स्वच्छ कर, लकड़ी के पाट पर पीला वस्त्र बिछाकर भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमा या चित्र स्थापित किया जाता है।

घी का दीपक जलाया जाता है और पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद और शक्कर) अर्पित किया जाता है।

इसके बाद कलम, दवात और सफेद कागज़ पूजा में रखकर हल्दी से "श्री गणेशाय नमः" और 11 बार "ॐ चित्रगुप्ताय नमः" लिखा जाता है।

मान्यता है कि इससे बुद्धि, ज्ञान और कार्य में सफलता प्राप्त होती है। पूजा के बाद कलम और दवात को सामान्य कार्य में प्रयोग नहीं किया जाता, बल्कि सुरक्षित रख दिया जाता है।

▪ **महत्त्व**ः भगवान चित्रगुप्त को न्याय और लेखा-जोखा के देवता कहा जाता है। माना जाता है कि उनकी आराधना से व्यक्ति को सत्य मार्ग पर चलने और विवेकपूर्ण निर्णय लेने की शक्ति मिलती है।

गोवर्धन पूजा — अन्नकूट का पर्व बुधवार को

दीवाली के अगले दिन मनाई जाने वाली गोवर्धन पूजा, जिसे अन्नकूट उत्सव भी कहा जाता है, इस वर्ष बुधवार, 22 अक्टूबर 2025 को मनाई जाएगी।

यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने की स्मृति में मनाया जाता है। इस दिन लोग गोबर से गोवर्धन पर्वत का प्रतीक बनाकर पूजा करते हैं और भगवान श्रीकृष्ण को अन्न, मिठाइयाँ और प्रसाद चढ़ाते हैं।

▪ **पूजा के शुभ मुहूर्त**ः

-सुबहः 6:30 बजे से 8:47 बजे तक

-शामः 3:36 बजे से 5:52 बजे तक

▪ **पूजा विधि**ः *गोबर से गोवर्धन पर्वत का स्वरूप बनाकर उसे फूलों और पत्तों से सजाया जाता है।*

गोवर्धन की नाभि पर दीपक रखकर उसमें दूध, दही, शहद, गंगाजल और पताशे अर्पित किए जाते हैं।

इसके बाद सात बार परिक्रमा कर "गोवर्धन महाराज की जय" का जयकारा लगाया जाता है।

पूजा के उपरांत गायों, बैलों और खेतीबाड़ी से जुड़े पशुओं की आरती कर आशीर्वाद लिया जाता है।

▪ **पूजा सामग्री**ः *रोली, अक्षत, पताशे, मिष्ठान्न, दही, शहद, केसर, फूल, गंगाजल, सुपारी पत्ता और गोबर से बना गोवर्धन पर्वत।*

श्रद्धा, संस्कृति और अध्यात्म का संगम

दीपावली के बाद के ये दोनों पर्व — गोवर्धन पूजा और चित्रगुप्त पूजा — भारतीय संस्कृति में कर्म, ज्ञान और प्रकृति के सम्मान का प्रतीक माने जाते हैं।

मोहाली के मंदिरों और घरों में तैयारियाँ पूरी हो चुकी हैं। कई जगह सामूहिक पूजा और आरती के आयोजन किए जा रहे हैं।

बोले- हमारी विजिलेंस पूरी तरह सक्रिय है, फेल नहीं हुई

डीआईजी भुल्लर केस पर डीजीपी यादव बोले सीबीआई जांच जारी टिप्पणी नहीं कर सकता

समर न्यूज़ | जालंधर

पंजाब के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर की गिरफ्तारी के बाद राज्य पुलिस प्रमुख गौरव यादव ने पहली बार इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सीबीआई द्वारा पैसों और सोने के साथ गिरफ्तार भुल्लर का केस वर्तमान में सीबीआई की जांच के अधीन है, इसलिए वे इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। साथ ही उन्होंने यह साफ किया कि यह विजिलेंस विभाग की असफलता नहीं है। उन्होंने कहा कि पंजाब विजिलेंस ब्यूरो पूरी तरह सक्रिय है और हाल के महीनों में कई बड़े रिश्वतखोरी मामलों में कड़ी कार्रवाई की है। गौरव यादव ने कहा —"यह मामला सीबीआई के पास है और जांच जारी है। ऐसे में किसी भी प्रकार की टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। जहां तक हमारी विजिलेंस का सवाल है, वह पूरी क्षमता के साथ काम कर रही है।" उन्होंने जोड़ा कि पंजाब पुलिस और विजिलेंस ब्यूरो ने पिछले कुछ महीनों में कई भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है।

▪ विजिलेंस पर उठे सवालों पर डीजीपी का... जवाब... गौरव यादव ने कहा कि विजिलेंस की भूमिका पर सवाल उठाना गलत है। "हमारी विजिलेंस काफी सक्रिय है। कई अधिकारियों को रंगे हाथों पकड़ा गया है। कई को सेवा से बर्खास्त किया गया। सरकार की नीति स्पष्ट है — भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, चाहे वह किसी भी विभाग या पद पर हो।" डीजीपी ने कहा कि पंजाब सरकार की नीति 'जीरो टॉलरेंस अगेंस्ट करप्शन' पर आधारित है।

आपकी बेटी किसी अधर्मी के घर जाना चाहती है तो उसकी टांगें तोड़ दो : साध्वी प्रज्ञा ठाकुर

एजेंसी | भोपाल

मध्य प्रदेश के भोपाल से बीजेपी की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर एक बार फिर अपने विवादित बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने बेटियों को लेकर ऐसा बयान दिया है, जिसने सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक हलचल मचा दी है।

एक कार्यक्रम के दौरान साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने कहा- "अगर आपकी बेटी आपकी बात नहीं मानती और किसी गैर-हिंदू के साथ भागने की कोशिश करती है, तो उसकी टांगें तोड़ने से भी मत हिचकिचाइए।"

▪ **बेटियों को शुरू से संस्कार सिखाओ**...

अपने संबोधन में प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि बेटियों को बचपन से ही "संस्कार और मूल्य" सिखाए जाने चाहिए। लेकिन यदि वे "शब्दों की भाषा नहीं समझतीं," तो माता-पिता को उन्हें "ताड़ना" यानी सख़्त चेतावनी देनी चाहिए।

उन्होंने कहा —"अगर बच्चों की भलाई के लिए कभी उन्हें डांटना या मारना भी पड़े, तो इसमें कोई हिचक नहीं होनी चाहिए।"

▪ **धर्म से भटकने वाली बेटियों पर नज़र रखो**...

साध्वी प्रज्ञा ने कहा कि जब बेटी जन्म लेती है, तो माता-पिता उसे लक्ष्मी और सरस्वती का रूप मानते हैं, लेकिन जब वही बेटी बड़ी होकर "अधर्मी बनने" की सोचती है, तो उसे रोकना ज़रूरी है।

उन्होंने कहा —"ऐसी लड़कियों पर नज़र रखो। अगर वे परंपराओं का उल्लंघन करती हैं या घर से भागने की कोशिश करती हैं, तो उन्हें रोकने के लिए हर कदम उठाओ — प्यार से, समझाने से, डांट से, या अगर ज़रूरत पड़े तो सज़ा से भी।"

▪ **बयान पर सोशल मीडिया में बवाल**...

साध्वी प्रज्ञा का यह बयान सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो गया है। वीडियो क्लिप में वे स्पष्ट रूप से कहती नज़र आ रही हैं कि —"माता-पिता जब बच्चों को डांटते या सज़ा देते हैं, तो वे उनके भविष्य की भलाई के लिए ऐसा करते हैं, न कि उन्हें कष्ट देने के लिए।"

हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब प्रज्ञा ठाकुर का कोई बयान विवादों में आया हो। इससे पहले भी वे अपने कट्टर और उग्र बयानों के कारण चर्चाओं में रह चुकी हैं। इस बार उनका बयान महिलाओं, बेटियों और उनके अधिकारों से सीधे जुड़ा हुआ है, इसलिए यह एक बड़ा राजनीतिक और सामाजिक मुद्दा बन गया है।

▪ महाराष्ट्र के पूर्व विधायक बच्चू कडू के किसानों को संबोधित करते हुए दिया बयान

विवादित बोल : खुदकुशी क्यों करें, विधायक को ही मार दो

एजेंसी | महाराष्ट्र

महाराष्ट्र की राजनीति में एक नया विवाद हो गया है। छत्रपती संभाजीनगर में पूर्व विधायक बच्चू कडू के एक विवादित बयान ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। किसानों को संबोधित करते हुए कडू ने ऐसा बयान दिया, जिसमें उन्होंने किसानों से अपनी जान लेने की बजाय विधायकों को हिंसक तरीके से निशाना बनाने की अपील की। इस टिप्पणी पर राज्य के मंत्री संजे शिरसाट ने कड़ी निंदा की और कडू से किसानों को भड़काने से परहेज करने की अपील की है।

▪ **बयान जिसने उठाईं नई बहसें**...

प्रसारित वीडियो क्लिप में बच्चे कडू कथित तौर पर कहते हैं —"खुदकुशी क्यों करनी? विधायक को मार दो, वध कर दो। किसानों को चाहिए कि वे विधायक के घर के सामने नंगे बैठकर पेशाब करें। अगर यह सब किया गया तो सरकार पुनः पटरी पर आ जाएगी।" इस बयान के वायरल होते ही राजनीतिक गलियारों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

▪ **मंत्री संजे शिरसाट का तीखा पलटवार**...

शिवसेना नेता और राज्य मंत्री संजे शिरसाट ने कडू की टिप्पणी की जमकर आलोचना की और कहा कि बच्चू कडू को यह सब पहले खुद करना चाहिए। क्या वे किसानों को भड़काना चाहते हैं और उनके खिलाफ और अपराध दर्ज करवाना चाहते हैं? उन्हें अपनी जीभ पर काबू रखना चाहिए। सितंबर में सूखा और बारिश के कारण किसान पहले ही परेशान हैं? क्या कडू चाहते हैं कि इन्हें मारा जाए? शिरसाट ने कडू से अपील की कि वे ऐसे भड़काऊ बयानों से बचें और सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए जिम्मेदारी से बोलें।

▪ **राजनीतिक व सामाजिक तनाव की आशंका**...

कडू द्वारा दिये गये बयान ने किसानों के अधिकारों, शांतिपूर्ण आंदोलन और सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर चिंता पैदा कर दी है। इसका असर स्थानीय राजनीति और कानून-व्यवस्था पर भी पड़ सकता है, क्योंकि उक्त टिप्पणी सीधे तौर पर हिंसा को उकसाने जैसा प्रतीत होती है।

बेटे ने चाकू से गला काट मां की हत्या की, मां चीखती रही कोई न बचा सका

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

चंडीगढ़ में दीवाली के दिन 20 अक्टूबर की सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। एक महिला की उसके सगे बेटे ने ही चाकू से गला काटकर हत्या कर दी।घटना के समय घर में जोर-जोर से महिला की चीखें सुनाई दीं, तो पड़ोसी दौड़कर पहुंचे, लेकिन दरवाज़ा अंदर से बंद था। लोगों ने काफी कोशिश की, लेकिन दरवाज़ा नहीं खुला। इसके बाद कुछ लोग छत के रास्ते घर के अंदर पहुंचे, तो देखा कि महिला का शव खून से लथपथ फर्श पर पड़ा था, और आरोपी बेटा वहां से फरार हो चुका था। ▪ **पड़ोसियों ने दी पुलिस को सूचना, आरोपी हुआ गिरफ्तार**... *पड़ोसियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी मानसिक रूप से परेशान बताया जा रहा है। वह घटना के बाद फरार हो गया था, लेकिन सोनीपत से उसे गिरफ्तार कर लिया गया।*

▪ **मृतका की पहचान सुशीला नेगी के रूप में**... *मृतका की पहचान सुशीला नेगी (निवासी सेक्टर-40, चंडीगढ़) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के बरसो भटौली गांव की रहने वाली थीं और कई सालों से चंडीगढ़ में रह रही थीं। हत्या उनके छोटे बेटे रवि ने की, जो पंजाब यूनिवर्सिटी में कर्मचारी है। आरोपी की पत्नी और बेटी अलग रहती हैं। करीब छह महीने पहले ही रवि अपनी मां के साथ रहने के लिए वापस आया था।*

▪ **पंजाब यूनिवर्सिटी की परीक्षा शाखा में तैनात था आरोपी**... *पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी रवि पंजाब यूनिवर्सिटी की एग्ज़ामिनेशन ब्रांच में कार्यरत है। पिछले कुछ समय से वह मानसिक तनाव में था और परिवार के साथ अक्सर झगड़ा करता रहता था। दीवाली की सुबह भी किसी बात को लेकर मां से बहस हुई, जिसके बाद उसने गुस्से में चाकू से मां की हत्या कर दी और फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मृतका के बड़े बेटे को घटना की सूचना दे दी गई है।*

▪ **फोरेंसिक टीम ने जुटाए सबूत**... *फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य और खून के नमूने इकट्ठा किए हैं। आरोपी घटना में इस्तेमाल चाकू अपने साथ ले गया है। पुलिस ने कई टीमों का गठन कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के बड़े भाई और उसकी पत्नी से भी पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि मां-बेटे के बीच विवाद किस बात को लेकर हुआ। सेक्टर-39 थाना प्रभारी राम दयाल ने बताया कि "आरोपी रवि को सोनीपत से गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस टीम उसे चंडीगढ़ ला रही है, जहां उससे पूछताछ कर हत्या के कारणों का पता लगाया जाएगा।*

अच्छी खबर : महिलाओं को इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने पर 80,000 तक की सब्सिडी!

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

महिलाओं के लिए खुशखबरी! केंद्र सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने और ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक नई योजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत अब महिलाएं इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने पर 80,000 तक की सब्सिडी प्राप्त कर सकती हैं। यह कदम केवल आर्थिक राहत देने के लिए नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य महिलाओं के दैनिक सफर को आसान, सस्ता और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। लंबे समय से महिलाएं सार्वजनिक परिवहन या पेट्रोल स्कूटरों पर निर्भर रही हैं, जिनका खर्च अधिक होता है। इस योजना से महिलाओं को अब साफ-सुथरे और आधुनिक परिवहन साधनों की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

▪ **सब्सिडी कैसे मिलेगी**... यह सब्सिडी सीधे इलेक्ट्रिक स्कूटर की खरीद मूल्य में घटाई जाएगी। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई महिला 1.5 लाख कीमत का स्कूटर खरीदती है, तो उसे 80,000 की सब्सिडी मिल सकती है — यानी स्कूटर की कीमत घटकर सिर्फ 70,000 रह जाएगी। यह योजना सरकार के उस बड़े मिशन का हिस्सा है जिसके तहत देशभर में कार्बन उत्सर्जन घटाने और सतत ऊर्जा को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। यह पहल FAME इंडिया योजना (हाइब्रिड और विद्युत वाहनों को तेज़ी से अपनाने और निर्माण करने की योजना) की तर्ज पर है, लेकिन इस बार इसमें महिलाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया गया है।

▪ **सिर्फ बचत नहीं, कई और फायदे भी**... इलेक्ट्रिक स्कूटर पेट्रोल स्कूटरों की तुलना में कम मेंटेनेंस मांगते हैं और इनका रनिंग कॉस्ट प्रति किलोमीटर बहुत कम होता है। महिलाओं के लिए ये स्कूटर ट्रैफिक में आसानी से चलाने योग्य, हल्के और सुविधाजनक हैं। इस योजना से न केवल आर्थिक लाभ मिलेगा बल्कि महिलाओं को स्वतंत्रता और गतिशीलता भी मिलेगी — जिससे वे काम, पढ़ाई या अन्य जरूरतों के लिए निर्भर नहीं रहेंगी।

▪ **आवेदन प्रक्रिया**... आवेदन करना बेहद आसान है। रुचि रखने वाली महिलाएं अधिकृत डीलरों या सरकारी पोर्टल पर जाकर अपनी पहचान का प्रमाण जमा कर सकती हैं। खरीद के समय ही सब्सिडी लागू कर दी जाएगी, ताकि किसी तरह की जटिल रिफंड प्रक्रिया न हो। इस पहल से देशभर में महिलाएं अब आधुनिक, किफायती और पर्यावरण हितैषी परिवहन साधनों तक आसानी से पहुंच सकेंगी।

▪ **महिलाओं में बढ़ी उत्सुकता**... इस खबर के सामने आते ही शहरों और कस्बों में महिलाओं में उत्साह बढ़ गया है। कई लोग अपने पहले इलेक्ट्रिक स्कूटर की खरीदारी की योजना बना रही हैं। यह कदम महिलाओं के सशक्तिकरण, स्वच्छ पर्यावरण और स्मार्ट परिवहन की दिशा में एक बड़ा परिवर्तनकारी कदम माना जा रहा है। यहां जो भी जानकारी शेयर की गई है वो मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित है।

समर एक्सप्रेस

प्रधानमंत्री मोदी 25 नवंबर को हरियाणा दौरे पर, होंगे कई उद्घाटन

समर न्यूज | हरियाणा

हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार की पहली वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हरियाणा दौरा तय हो गया है। प्रधानमंत्री 25 नवंबर को कुरुक्षेत्र पहुंचेंगे, जहां वे राज्य में विकास से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। यह कार्यक्रम न केवल सरकार की उपलब्धियों को प्रदर्शित करेगा, बल्कि भाजपा के लिए जनसमर्थन की स्थिति का भी आकलन करने का अवसर होगा।

कार्यक्रम का स्थान और बदलाव : पहले यह जनसभा 17 अक्टूबर को सोनीपत में आयोजित होने वाली थी, लेकिन आईपीएस अधिकारी पूरण कुमार की आत्महत्या के बाद राज्य में संवेदनशील माहौल के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। अब परिस्थितियों सामान्य होने के बाद यह रैली कुरुक्षेत्र में आयोजित की जा रही है, जो हरियाणा की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का प्रतीक माना जाता है।

हरियाणा दौरे पर पीएम मोदी, 25 नवंबर को करेंगे कई परियोजनाओं का उद्घाटन।

प्रधानमंत्री की योजनाएँ और उद्घाटन : प्रधानमंत्री मोदी इस दौरे पर कृषि, सड़क, शिक्षा और औद्योगिक विकास से जुड़ी योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। सूत्रों के अनुसार, केंद्र और राज्य सरकार मिलकर हरियाणा के लिए नई औद्योगिक नीतियाँ और किसानों के लिए योजनाएँ पेश कर सकती हैं। प्रधानमंत्री जनसभा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय या किसी बड़े ग्राउंड में संबोधित करेंगे, जो भाजपा के लिए राजनीतिक संदेश भी होगा।

सैनी सरकार के लिए परीक्षा : नायब सिंह सैनी ने एक साल पहले मुख्यमंत्री पद संभाला था। अपने पहले वर्ष में उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन में बढ़ोतरी, गन्ने के दाम में सुधार, ग्राम सभा चाय-नाश्ता योजना और रोजगार मिशन जैसी कई लोककल्याणकारी पहलें शुरू की हैं। यह रैली सरकार का 'एक वर्ष का रिपोर्ट कार्ड' साबित होगी।

राजनीतिक मायने : विश्लेषकों के अनुसार, यह दौरा हरियाणा में भाजपा की जनसंपर्क रणनीति को मजबूत करेगा। नायब सैनी का OBC समुदाय से संबंध और प्रधानमंत्री मोदी का 'सबका साथ, सबका विकास' संदेश इसे सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाता है।

तैयारी और जनता की उम्मीदें : कुरुक्षेत्र में रैली की तैयारियाँ शुरू हो चुकी हैं। लाखों की भीड़ की संभावना है। प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल ली है। जनता की नजर इस बात पर होगी कि प्रधानमंत्री कौन-सी नई योजनाएँ और विकास परियोजनाएँ राज्य को सौंपते हैं। यह रैली हरियाणा की विकास यात्रा और राजनीति के लिए निर्णायक क्षण साबित होगी।

हिसार एयरपोर्ट का नया विंटर शेड्यूल, बदलाव यात्रा प्रभावित

एयरपोर्ट ने जारी किया विंटर शेड्यूल, उड़ान सेवाओं में बदलाव।

समर न्यूज | हिसार

हरियाणा के हिसार स्थित महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट से सफर करने वाले यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। एयरपोर्ट ने अपना नया विंटर शेड्यूल जारी किया है, जो 26 नवंबर 2025 से लागू होगा। इस तारीख के बाद हवाई सेवाओं के समय में बदलाव होगा।

नए शेड्यूल के तहत : हिसार से जयपुर, दिल्ली और अयोध्या के लिए हवाई उड़ान अब सप्ताह में दो बार होगी। हिसार से चंडीगढ़ के लिए हवाई सेवा अब सप्ताह में तीन बार संचालित होगी। पहले यह उड़ानें हिसार-जयपुर, हिसार-दिल्ली और हिसार-अयोध्या के लिए सप्ताह में एक दिन, जबकि चंडीगढ़ के लिए दो दिन (बुधवार और शनिवार) चलती थीं। वहीं, इस साल के अंत तक हिसार से जम्मू और अहमदाबाद के लिए भी हवाई सेवा शुरू होने की संभावना है। सिविल एविएशन मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि जयपुर के बाद जल्द ही जम्मू और अहमदाबाद के लिए फ्लाइट सेवाएं उपलब्ध होंगी।

यात्रियों को मिलने वाले लाभः

हिसार से जयपुर का सड़क मार्ग लगभग 350 किलोमीटर, जो लगभग 5 घंटे में तय होता है, अब हवाई सेवा से केवल 1 घंटे में तय होगा। हिसार से चंडीगढ़ की दूरी लगभग 250 किलोमीटर, सड़क से 4 घंटे से अधिक समय लेती है। हवाई सेवा शुरू होने के बाद समय की बचत और सफर में आराम मिलेगा।

विशेष रूप से जयपुर और चंडीगढ़ के लिए रोजाना हजारों यात्री व्यवसाय, चिकित्सा और प्रशासनिक कामों के लिए यात्रा करते हैं। नए हवाई शेड्यूल से यात्रियों को सुविधा और समय की बचत दोनों मिलेगी।

बिहार चुनाव बाद सीएम सैनी होंगे MWB कार्यक्रम में शामिल

समर न्यूज | चंडीगढ़

मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन (MWB) के अध्यक्ष चंद्र शेखर धरणी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शिष्टाचार भेंट कर संगठन के आगामी प्रांतीय स्तर के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री सैनी ने बिहार विधानसभा चुनावों के बाद कार्यक्रम में शामिल होने का आश्वासन दिया। वर्तमान में वह चुनाव प्रचार हेतु बिहार रवाना हो रहे हैं। धरणी ने बताया कि मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन पत्रकारों के हित में कार्य करने वाली पहली ऐसी संस्था है, जो किसी भी बीमा योजना के तहत पत्रकारों से कोई शुल्क नहीं लेती। यह संगठन पत्रकारों और उनके परिवारों को सुरक्षा कवच प्रदान करने के उद्देश्य से कार्यरत है। हाल ही में एक वरिष्ठ पत्रकार के निधन के बाद, एमडब्ल्यूबी द्वारा पूर्व में करवाई गई बीमा योजना के तहत संबंधित परिवार को 10 लाख रुपये की सहायता राशि बीमा कंपनी से दिलवाई गई।

चंद्र शेखर धरणी मुख्यमंत्री सैनी को MWB प्रांतीय कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में आमंत्रित करते हुए।

संस्था समय-समय पर जरूरतमंद पत्रकारों को आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराती है। हरियाणा और चंडीगढ़ क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक पत्रकारों को संगठन द्वारा वित्तीय मदद दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, दोनों ही पत्रकार कल्याण के प्रति सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पिछले 11 वर्षों में हरियाणा में भाजपा शासन के दौरान पत्रकार हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इनमें पत्रकारों को सेवानिवृत्ति पर पेंशन योजना से जोड़ना एक प्रमुख उपलब्धि रही है।

धरणी ने बताया कि मीडिया वेलबिंग द्वारा उठाई गई दो प्रमुख मांगों को भी सरकार ने स्वीकार किया हैः

एफआईआर दर्ज होने पर सरकारी सुविधाओं पर रोक – अब जब तक आरोप सिद्ध न हो, पत्रकार को सभी सरकारी लाभ पूर्ववत मिलते रहेंगे।

एक परिवार में एक से अधिक पत्रकारों को पेंशन – अब दोनों पात्र पत्रकारों को पेंशन का लाभ मिलेगा, जबकि पहले केवल एक को ही यह सुविधा मिलती थी।

धरणी ने यह भी जानकारी दी कि एमडब्ल्यूबी द्वारा गंभीर रूप से बीमार या संकटग्रस्त पत्रकारों की मदद के लिए एक तीन सदस्यीय समिति गठित की गई है, जो सहानुभूतिपूर्वक मामलों की समीक्षा कर नियमानुसार सहायता प्रदान करती है। अब तक संस्था द्वारा अनेक गंभीर रोगों से पीड़ित पत्रकारों को आर्थिक संबल प्रदान किया गया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन उत्तर भारत का ऐसा एकमात्र संगठन है, जो न केवल अपने सदस्यों बल्कि गैर-सदस्य पत्रकारों की भी बिना किसी भेदभाव के सहायता करता है।

गुरुग्राम शोरूम में अचानक लगी आग, बचाव कार्य जारी

गुरुग्राम शोरूम में आग, दमकल टीम मौके पर आग पर काबू पाने में जुटी।

समर न्यूज | गुरुग्राम

हरियाणा के गुरुग्राम में सोमवार देर शाम एक शोरूम में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। शुरुआती प्रयास में दो दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं, जबकि स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त वाहनों को भी बुलाया गया। फायर ऑफिसर नरेंद्र कुमार ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही सभी फायर स्टेशनों को अलर्ट पर रखा गया है। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं और शोरूम में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है।

हालांकि अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। आग इतनी भीषण थी कि धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई दे रहा था। फिलहाल दमकल विभाग की कई टीमें मौके पर मौजूद हैं और स्थिति पर नियंत्रण पाने की पूरी कोशिश की जा रही है। राहत की बात यह है कि किसी के हताहत होने की सूचना अब तक नहीं मिली है।

मुख्यमंत्री सैनी ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों संग मनाया दीपोत्सव

पंचकूला सेक्टर-15 में बुजुर्गों संग दीपावली की खुशियां साझा करते मुख्यमंत्री सैनी।

समर न्यूज | पंचकूला

दीपावली के पावन अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनी धर्मपत्नी सुमन सैनी के साथ पंचकूला सेक्टर-15 स्थित वृद्ध आश्रम में पहुंचकर बुजुर्गों के साथ त्यौहार की खुशियां साझा कीं। मुख्यमंत्री ने आश्रम में दीप जलाकर शुभारंभ किया और वहां मौजूद वरिष्ठ नागरिकों से आत्मीय बातचीत की। उन्होंने सभी को मिठाइयां बांटी, फुलझड़ियां जलाईं और साथ में दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि समाज के वरिष्ठ नागरिक हमारे अनुभव और संस्कारों के आधार स्तंभ हैं। उनके आशीर्वाद से ही समाज और प्रदेश का विकास संभव है। उन्होंने आश्रम प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की संस्थाएं मानवीय संवेदनाओं को जीवित रखती हैं और समाज को सेवा का संदेश देती हैं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने भी बुजुर्गों को उपहार भेंट किए और उनके साथ समय बिताया। माहौल में अपनापन और उत्सव का उल्लास देखने को मिला। इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, पार्षद जय कौशिक सहित कई पदाधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। वृद्ध आश्रम में मुख्यमंत्री के आगमन से बुजुर्गों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

सिरसा में नकली घी की जांच अभियान तेज, बड़े ब्रांड भी जांच के दायरे में

समर न्यूज | सिरसा

जिले में नकली और मिलावटी घी की बिक्री की बढ़ती शिकायतों के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गया है। आयुक्त के निर्देश पर विभाग ने सिरसा और डबवाली क्षेत्र में सघन जांच अभियान शुरू किया और दो दिनों में 15 से अधिक घी के सैंपल इकट्ठा किए। जांच के दौरान विभाग ने सरस, वीटा, अमूल, सिफ्टी, मदर डेयरी जैसे लोकप्रिय ब्रांडों के डिब्बाबंद घी के नमूने लिए और उन्हें लैब में परीक्षण के लिए भेजा। कंपनियों को बैच अप्रूवल और अनुमोदन प्रक्रिया के लिए नोटिस भी जारी किए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डा. गौरव छाबड़ा ने कहा कि उपभोक्ताओं की सेहत से खिलवाड़ करने वाले किसी भी उत्पादक या विक्रेता को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि विभाग की कार्रवाई केवल स्थानीय ब्रांड तक सीमित नहीं है; केएफसी, मैकडोनाल्ड और अन्य प्रतिष्ठानों से भी सैंपल लिए गए हैं। अगस्त में विभाग ने श्वेता ब्रांड घी के नमूने लिए थे, जिसमें भादरा बाजार स्थित श्रीराम ट्रेडिंग कंपनी के चार नमूनों में से दो फेल पाए गए थे। करनाल स्थित कंपनी ने उत्पाद होने से इंकार किया और फर्म के पास वैध लाइसेंस भी नहीं था। अब विभाग सैंपल रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है, जिसके बाद एडीसी कोर्ट में केस दर्ज किया जाएगा।

पंचकूला पुलिस लाइन में पुलिस स्मृति दिवस पर भावनात्मक कार्यक्रम

समर न्यूज | पंचकूला

पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर सोमवार को पंचकूला पुलिस लाइन में देशभक्ति और भावनाओं से ओत-प्रोत माहौल देखने को मिला। हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर पूरे देश के 191 अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सेवानिवृत्त डीजीपी और जवान भी उपस्थित रहे।

डीजीपी ने शहीदों के परिवारों के प्रति संवेदनशीलता जताई : डीजीपी सिंह ने कहा, "हरियाणा पुलिस अपने शहीद साथियों के परिवारों के प्रति हमेशा संवेदनशील रही है। जब कोई पुलिसकर्मी कर्तव्यपालन के दौरान शहीद होता है, तो उसका परिवार कई समस्याओं का सामना करता है। हमारा कर्तव्य है कि हम उनके साथ मजबूती से खड़े रहें।" उन्होंने बताया कि शहीदों के परिजनों के लिए सरकारी नौकरी और एक करोड़ रुपये तक की आर्थिक सहायता का प्रावधान किया गया है, ताकि उनके बच्चों की पढ़ाई और भविष्य सुरक्षित रहे।

पुलिस बल केवल वर्दी नहीं, देश की सुरक्षा का प्रतीक : डीजीपी ने कहा, "पुलिस सिर्फ वर्दी नहीं,

पुलिस स्मृति दिवस पर डीजीपी सिंह जवानों को प्रेरक भाषण देते हुए।

बल्कि देश की सुरक्षा का प्रतीक है। अपराधियों से हमारी नीति स्पष्ट है - कानून के रास्ते पर चलने वालों से हम पीछे नहीं हटेंगे।" उन्होंने समाज में मौजूद हिंसक और स्वार्थी तत्वों से निपटने पर भी जोर दिया और कहा, "हमें ऐसी सभ्यता का निर्माण करना चाहिए, जहां शक्ति और शांति का संतुलन बना रहे।"

कार्यक्रम में पूर्व डीजीपी बीएस संधू, डीजीपी (मॉडर्नाइजेशन एंड लिटिगेशन) अजय सिंघल, एडीजीपी सौरभ सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पुलिस स्मृति दिवस का महत्व : पुलिस स्मृति दिवस हर साल 21 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिन याद दिलाता है कि 1959 में लद्दाख में भारत-तिब्बत सीमा पर गश्त के दौरान सीआरपीएफ के दस जवान शहीद हुए थे।

सिरसा में महिला पुलिस कर्मी के साथ अभद्रता, आरोपी गिरफ्तार

समर न्यूज | सिरसा

सिरसा में एक महिला पुलिसकर्मी के साथ रात के समय ड्यूटी के दौरान अभद्रता और धक्का-मुक्की करने का मामला सामने आया है। घटना रविवार रात की है जब ड्यूटी पर तैनात महिला पुलिसकर्मी को भगत सिंह स्टेडियम के पास हंगामे की सूचना मिली।

महिला प्रधान सिपाही हरदीप कौर, जो दुर्गा शक्ति ईआरवी वाहन पर महिला थाना सिरसा में तैनात हैं, टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। वहां एक सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार खड़ी थी और एक युवक शराब के नशे में हंगामा कर रहा था। युवक की पहचान कर्ण सिंह, निवासी नेजाडेला कलां, के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान

सिरसा में महिला पुलिसकर्मी के साथ अभद्रता, आरोपी कर्ण सिंह गिरफ्तार।

युवक ने महिला पुलिसकर्मी के साथ अभद्रता की, धक्का-मुक्की की और गाली-गलौज पर उतर आया। स्थिति बिगड़ने पर अतिरिक्त पुलिस बल को मौके पर बुलाया गया। इसके बाद युवक को काबू कर लिया गया और उसकी कार को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। सिविल लाइन थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आईओ एसआई सत्यवीर सिंह की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं 194(2), 121, 221, 324(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस लाइन में मनाया गया पुलिस स्मृति एवं झंडा दिवस एसपी ने पुष्प चक्र अर्पित कर किया नमन

सुन्दर कुंडू | पलवल
समर न्यूज

21 अक्टूबर को पुलिस लाईन पलवल के प्रांगण में स्थित शहीद स्मारक स्थल पर पुलिस स्मृति एंव झंडा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर देश के लिये शहीद हुये पुलिस व अर्ध सैनिक बल के जवानो को जिला पुलिस पलवल की तरफ से श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हे श्रद्धांजलि दी गई तथा इसके पश्चात पुलिस अधीकारियों व कर्मचारियों द्वारा एक दुसरे की शर्ट पर पुलिस ध्वज लगाकर पुलिस झंडा दिवस मनाया। शहीद स्मृति दिवस के अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला ने देश के लिये शहीद हुए पुलिस व अर्ध सैनिक बल के जवानों को पुष्प च्रक अर्पित कर नमन किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि देश की रक्षा कर अपने प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदो से प्रेरणा लेकर अपने जीवन मे प्रण करना चाहिये की हम अपने सामने आने वाली किसी भी चुनौती का दृढता से सामना करेगें चाहे हमे इसके लिये प्राणो की भी आहुति क्यों न देनी पडे। एसपी सिंगला ने कहा

पुलिस लाइन में मनाया गया पुलिस स्मृति एवं झंडा दिवस एसपी ने पुष्प चक्र अर्पित कर किया नमन।

की साल 1959 से चीन से सटी भारतीय सीमा की रक्षा में बलिदान देने वाले दस पुलिसकर्मियों की याद में यह खास दिन मनाना शुरु किया गया। यह भी कहा कि देश की सीमा की रक्षा में लगे सैन्य बलों के बलिदान की आपने कई काहनियां सुनी होंगी लेकिन हमारे पुलिस कर्मियों के शौर्य और बलिदान का इतिहास भी किसी से कम नहीं है। कुछ ऐसा ही साल 1959 में हुआ था जब पुलिसकर्मी पीठ दिखाने की बजाय चीनी सैनिको की गोलियां सीने पर खाकर शहीद हुये। चीन के साथ देश की सीमा की रक्षा करते हुये जो बलिदान दिया था उसकी य़ाद में हर साल पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। ये बात 21 अक्टूबर साल 1959 की है जब 10 पुलिसकर्मियों ने अपना बलिदान दिया था तब तिब्बत के साथ भारत की 2,500 मील की सीमा की निगरानी की जिम्मेदारी भारत के पुलिसकर्मियों की थी। इस घटना से एक दिन पहले 20 अक्टूबर 1959 को तीसरी बटालियन की एक कंपनी को उत्तर पूर्वी लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स नाम के स्थान पर तैनात किया गय़ा था। इस कंपनी को 3 टुकड़ियों में बांटकर सीमा सुरक्षा की बागडोर दी गई थी । लाइन ऑफ कंट्रोल में जवान गश्त के लिये निकले। आगे गई दो टुकड़ी के सदस्य उस दिन दोपहर बाद तक लौट आये लेकिन तीसरी टुकड़ी के सदस्य नहीं लौटे। उसी टुकड़ी में दो पुलिस कॉस्टेबल और पोर्टर शामिल थे। अगले दिन फिर सभी जवानों को इकट्ठा किया गया औऱ गुमशुदा लोगों (जवानों) की तलाश के लिये एक टुकड़ी का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि गुमशुदा हो गए पुलिसकर्मियों की तलाश में तत्कालीन डीसीआईओ करम सिंह के नेतृत्व में एक टुकड़ी 21 अक्टूबर 2018 को सीमा के लिए निकली। इस टुकड़ी में करीब 20 पुलिसकर्मी शामिल थे। करम सिंह घोड़े पर सवार पर थे जबकि बाकी पुलिसकर्मी पैदल थे। पैदल सैनिकों को तीन टुकड़ियों में बांट दिया गया था। तभी दोपहर के समय चीन के सैनिकों ने एक पहाड़ी से गोलियां चलाना औऱ ग्रनेड फेंकना शुरु कर दिया। अपने साथियों की तलाश में निकली ये टुकड़ियां खुद की सुरक्षा का कोई उपाय नहीं करके गई थी इसलिए ज्यादातर सैनिक घायल हो गए। तब उस हमले में देश 10 वीर शहीद हो गए जबकि सात अन्य बुरी तरह घायल हो गये। यही नहीं इन सातों घायल पुलिसकर्मियों को चीनी सैनिक बंदी बनाकर ले गये जबकि बाकी अन्य पुलिसकर्मी वहां से निकलने में कामयाब रहे। 13 नवंबर ,1959 को शहीद हुये दस पुलिसकर्मियों का शव चीनी सैनिकों ने लौटा दिया। उन पुलिसकर्मियों का अंतिम संस्कार हॉट स्प्रिंग्स में पूरे पुलिस सम्मान के साथ हुआ। उन्ही शहीदों के सम्मान में हर साल 21 अक्टूबर को नेशनल पुलिस डे या पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। जिला पलवल के वीर शहीद सपूतों की गौरव गाथा बताते हुए जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पलवल जिले के गांव गुदराना निवासी ईएचसी बाबूराम वा उटावड़ निवासी सिपाही उमर मोहम्मद अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देते हुए शहीद हुए।

दीपावली पर जहरीली हुई बहादुरगढ़ की हवा, AQI 348

समर न्यूज | बहादुरगढ़

दीपावली की रात हुई भारी आतिशबाजी के चलते बहादुरगढ़ की वायु गुणवत्ता बेहद चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। सोमवार सुबह शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 348 रिकॉर्ड किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। यह स्तर देश की राजधानी दिल्ली के लगभग बराबर है, जहां AQI 350 दर्ज किया गया।

वायु प्रदूषण में खतरनाक स्तर तक बढ़ी PM 2.5 और PM 10 कणों की मात्रा लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, ये सूक्ष्म कण सांस के जरिए फेफड़ों तक पहुंचकर अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, हृदय संबंधी रोग और आंखों में जलन जैसी समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

PC: AQI 348: बहादुरगढ़ की हवा प्रदूषण से गंभीर, स्वास्थ्य पर प्रभाव।

दीपावली पर बेकाबू रही आतिशबाजी

शहर में दीपावली की रात जमकर पटाखे फोड़े गए - विशेष रूप से उच्च ध्वनि और अधिक धुएं वाले पटाखों का व्यापक उपयोग हुआ। इसके कारण सुबह होते ही हवा में धुंध और जहरीले कणों की मात्रा खतरनाक स्तर पर पहुंच गई। वातावरण में फैले धुएं ने दृश्यता और वायुमंडलीय स्वच्छता दोनों को प्रभावित किया है।

बुजुर्गों और बीमारों के लिए अलर्ट

वर्तमान वायु गुणवत्ता को देखते हुए चिकित्सकों ने विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और सांस या हृदय रोगों से पीड़ित व्यक्तियों को सतर्क रहने की सलाह दी है। ऐसी हवा में सुबह की सैर भी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह साबित हो सकती है।

क्या करें?

अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें। मास्क का प्रयोग करें, विशेष रूप से N95 मास्क। घरों में एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें। बच्चों और बुजुर्गों को घर के अंदर ही सुरक्षित रखें।

हरियाणा सरकार निजी स्कूलों को बड़ी राहत देने की तैयारी में

समर न्यूज | पंचकूला

हरियाणा सरकार निजी स्कूलों को जुर्माने माफ करने और अस्थायी स्कूलों को एक्सटेंशन लेटर जारी करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

हाल ही में निजी स्कूल संघ का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री आवास पर सीएम सैनी से मिला और 2808 निजी स्कूलों से जुड़ी समस्याओं और मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने जल्द समाधान की अपील की।

प्रमुख मांगें

एमआईएस पोर्टल को फिर से खोलकर तकनीकी और प्रशासनिक अड़चनों को दूर करना।

निजी स्कूलों की समस्याओं और मांगों पर चर्चा करते मुख्यमंत्री सैनी।

स्कूल सोसाइटियों पर लगे जुर्माने माफ करना।

अस्थायी स्कूलों को मान्यता विस्तार (एक्सटेंशन लेटर) जारी करना।

चिराग योजना, 134-A और आरटीई के तहत वित्तीय सहायता समय पर जारी करना।

स्कूल बसों पर टैक्स हटाना और आयु सीमा बढ़ाना।

स्कूलों में सोलर पैनल पर सब्सिडी देना।

बिजली बिल को एनडीएस से डीएस कैटेगरी में लाना।

महापुरुषों की जयंती पर अवकाश देने या न देने का अधिकार स्कूलों को सौंपना।

मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया

सीएम नायब सैनी ने प्रतिनिधिमंडल की बातें गंभीरता से सुनी और भरोसा दिलाया कि शिक्षा क्षेत्र के सुधार और निजी स्कूलों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जुर्माने माफ करने और अस्थायी स्कूलों को विस्तार पत्र जारी करने का निर्णय शीघ्र लिया जाएगा। इसके अलावा अन्य लंबित मांगों पर भी रिपोर्ट तैयार कर जल्द निर्णय किया जाएगा।

जनता की आवाज़, भाजपा कैडर की धड़कन और हिमाचल की असली उम्मीद : जयराम

» विपक्ष की सबसे मजबूत आवाज बनकर उभरे जय राम ठाकुर, दश सरकार भी खुलकर उनके मुद्दों को हल्के में नहीं ले पाती

समर न्यूज | शिमला

हिमाचल की राजनीति में कई चेहरे आते और जाते रहे, लेकिन जनता के मन में जिस नेता ने स्थायी भरोसे की छाप छोड़ी है, वह नाम जयराम ठाकुर है। साधारण परिवार से उठकर संघर्ष की सीढ़ियाँ चढ़ते हुए जनता की उम्मीदों का चेहरा बनना आसान नहीं होता, लेकिन जयराम ठाकुर की राजनीति हमेशा सत्ता के अहंकार पर नहीं बल्कि सेवा, संवेदनशीलता और ज़मीन से जुड़े जीवन अनुभवों पर टिकी रही है। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने जिस सरलता और स्वच्छ नीयत से प्रदेश के लिए काम किया, उसने उन्हें विनम्र नेता की छवि तो दी ही, साथ ही यह भी साबित किया कि सच्चा नेतृत्व चेहरे की चमक नहीं, चरित्र की चमक से बनता है। लेकिन असली और मजबूत तेवर उन्होंने तब दिखाए, जब जनता ने उन्हें विपक्ष की भूमिका सौंपी। आज वे केवल औपचारिक नेता प्रतिपक्ष नहीं, बल्कि हिमाचल की हर उस आवाज़ का प्रतिरूप बन चुके हैं, जो उपेक्षित है, दबाई गई है या जिसे व्यवस्था ने सुना नहीं।

विधानसभा के भीतर जब वे खड़े होते हैं, तो उनका स्वर सियासी आरोपों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सरकार को तथ्य, तर्क और साफ सवालों से घेरता है। और जब सदन में जवाब दबाने की कोशिश होती है, तो वही आवाज़ वे सड़कों पर उतरकर जनता के बीच और बुलंद कर देते हैं। यही दोहरी लड़ाई, सदन में सवाल और सड़क पर संघर्ष, आज जयराम ठाकुर को एक अलग कद देती है। वे ऐसे नेता हैं जो विपक्ष में आकर शांत नहीं हुए, बल्कि और निर्णायक, और मज़बूत हुए हैं। उनके इसी तेवर ने भाजपा कैडर में असाधारण उत्साह और भावनात्मक जुड़ाव पैदा किया है। बूथ स्तर का कार्यकर्ता जयराम ठाकुर को सिर्फ़ नेता नहीं, अपना प्रतिनिधि मानता है। पार्टी का हर कार्यकर्ता यह महसूस करता है कि जयराम ठाकुर उसकी आवाज़ को पहचानते हैं, उसकी मेहनत का सम्मान करते हैं और उसकी उम्मीदों के साथ खड़े रहते हैं। इसलिए संगठन में जयराम ठाकुर के लिए समर्पण केवल राजनीतिक निष्ठा नहीं, भावनात्मक आस्था बन चुका है।

जयराम ठाकुर ने विपक्ष में आते ही उन मुद्दों पर लगातार आवाज़ उठाई है जो सीधे आम आदमी की ज़िंदगी से जुड़े हैं, पेंशनरों के बकाया भुगतान, बाढ़ और मानसून आपदाओं के पीड़ितों को वादा किया गया मुआवजा और राहत न मिलना, राज्य के बजट में पूँजीगत खर्च की कमी और बेरोज़गारी जैसे आर्थिक मुद्दे, स्वास्थ्य सुविधाओं और मेडिकल रिम्बर्समेंट में लंबित भुगतान, तथा चुनावी वादों पर पारदर्शिता की मांग।

उन्होंने सरकार पर यह आरोप लगाया है कि बड़ी राशि के पैकेज आने के बावजूद पीड़ितों तक राहत नहीं पहुँची और घोषणाओं को प्रचार-प्रपीड़न में बदल दिया गया है, यही नहीं, उन्होंने राज्य सरकार की कुछ नीतियों जैसे लॉटरी जैसी योजनाओं को भी सार्वजनिक हित के विरुद्ध बताया और उसके नकारात्मक प्रभावों पर चेतावनी दी है। इन सभी मामलों में जयराम ठाकुर न केवल सदन में तीख़े प्रश्न उठाते हैं, बल्कि ज़रूरत पड़ने पर सार्वजनिक मंचों और सड़क पर उतरकर पब्लिक प्रदर्शन और पीड़ितों की आवाज़ का प्रतिनिधित्व भी करते हैं, जो यह स्पष्ट करता है कि उनके द्वारा उठाया गया हर मुद्दा केवल राजनीतिक हल्ला नहीं, बल्कि जमीन पर मौजूद असल तकलीफों का आईना है।

यही लगातार और ठोस मुद्दा आधारित विपक्षी भूमिका ही कारण है कि जयराम ठाकुर हिमाचल में लंबी राजनीतिक पारी खेलने की स्थिति में हैं। पहला कारण उनका जमीनी कनेक्ट और लोग-लोगों में बनता भरोसा है, वह नेता जो मुख्यमंत्री होने के अनुभव के साथ अबबीजेपी विपक्ष में भी वही ज़मीनी भाषा बोल रहा है, इसलिए बीजेपी कैडर में उनके लिए भावनात्मक जुड़ाव और निष्ठा बनी रहती है; बूथ-स्तर के कार्यकर्ता उन्हें सिर्फ़ नेता नहीं, अपना प्रतिनिधि मानते हैं। दूसरा कारण यह है कि वे मुद्दों को सिर्फ़ उठाकर भूलने वाले नेता नहीं, वे उन्हें फ़ॉलो-अप करके मीडिया, संसद और विधानसभा दोनों जगह टैग किए रखते हैं, जिससे सरकार पर दबाव लगातार बना रहता है। तीसरा कारण उनकी राजनीतिक स्टैमिना और प्रशासनिक अनुभव है, मुख्यमंत्री रह चुके नेता के रूप में उन्हीं के पास शासन समझ और नेटवर्क है, जो उन्हें लंबे समय तक प्रभावी विपक्षी नेतृत्व निभाने योग्य बनाता है। चौथा और निर्णायक कारण यह है कि प्रदेश सरकार भी खुलकर उनके मुद्दों को हल्के में नहीं ले पाती; सरकार के अन्दर-बाहर दिखती घबराहट और जवाबदेही मांगने की मजबूरी उनकी राजनीतिक प्रासंगिकता को और मजबूत करती है। इन सब कारणों का मेल यह तय करता है कि जयराम ठाकुर की छवि अस्थायी विरोधी की नहीं, बल्कि दीर्घकालिक, जनता-आधारित और निर्णायक नेतृत्व की है, इसलिए वे हिमाचल की राजनीति में आने वाले लंबे समय तक सक्रिय और प्रभावशाली बने रहेंगे।

उधर प्रदेश की कांग्रेस सरकार भी यह स्वीकार करती है कि जयराम ठाकुर द्वारा उठाया गया मुद्दा महज़ राजनीति नहीं होता। सरकार उनके सवालों से बचती जरूर है, लेकिन उन्हें नज़रअंदाज़ करने की हिम्मत नहीं जुटा पाती। क्योंकि जयराम ठाकुर किसी मुद्दे को सिर्फ़ उठाते नहीं, उसे अंजाम तक ले जाने की जिद भी रखते हैं। वे चुप होने वाले, झुकने वाले या सौदे करने वाले नेता नहीं हैं, इसी वजह से आज जनता उन्हें विपक्ष नहीं, उम्मीद मानती है। हिमाचल में यह भावना लगातार मजबूत हो रही है कि नेता बहुत हैं, लेकिन प्रदेश की आत्मा को समझने वाला, पीड़ा को महसूस करने वाला, जनता के बीच खड़ा होने वाला और व्यवस्था से लड़ने का साहस रखने वाला असली जननेता सिर्फ़ जयराम ठाकुर हैं। उनकी राजनीति पद की मोहताज नहीं, जनता की ताकत से चलने वाली राजनीति है, इसलिए आज यह बात स्पष्ट दिखती है कि हिमाचल के असली प्रतिनिधित्व, असली आवाज़ और असली नेतृत्व का नाम जयराम ठाकुर ही है।

विधायक संजय अवस्थी ने एयर गांव में धार्मिक अनुष्ठान में लिया भाग

संजू | अर्की
समर न्यूज

विधायक संजय अवस्थी ने दीपावली के शुभ अवसर पर अर्की विधानसभा क्षेत्र के एयर गांव में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने शिवलिंग और हनुमान जी की प्रतिमा का अनावरण किया।

कार्यक्रम के दौरान विधायक अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की आर्थिकी को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की देव संस्कृति का विश्व स्तर पर विशेष स्थान है और यहां के लोगों की देवी-देवताओं में गहरी आस्था रही है। जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक क्षेत्र के समुचित विकास के लिए प्रतिबद्ध है और उनका लक्ष्य अर्की उपमंडल को विकास की नई दिशा देना है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखने के लिए खेल संरचना को सुदृढ़ किया जा रहा है।इस मौके पर विधायक संजय अवस्थी ने एयर गांव में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए तीन लाख रुपये तथा स्कूल में खेल मैदान के निर्माण के लिए एक लाख रुपये देने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने स्थानीय बजरंग समिति को 21 हजार रुपये देने की भी घोषणा की।

विधायक संजय अवस्थी एयर गांव में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेते हुए।

सर्दियों से पहले चुराह के दुर्गम क्षेत्रों में एडवांस राशन भेजने के निर्देश : एसडीएम

मंजूर पठान | चम्बा
समर न्यूज

चंबा जिला के चुराह विधानसभा क्षेत्र में सर्दी की दस्तक के साथ ही प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी की संभावना को देखते हुए एसडीएम चुराह अंकुर ठाकुर ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को एडवांस में राशन भेजने के निर्देश जारी किए हैं। एसडीएम ने कहा कि ऐसे कई क्षेत्र— जैसे चांजू, टेपा, मंगली और चरोड़ी—हर वर्ष भारी बर्फबारी से प्रभावित होते हैं, जिससे आवाजाही और आपूर्ति में कठिनाइयाँ आती हैं। इसलिए विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि सभी सरकारी राशन डिपो में समय रहते पर्याप्त मात्रा में राशन पहुंचा दिया जाए, ताकि किसी भी स्थिति में लोगों को परेशानी न हो। सर्दियों का मौसम शुरू हो चुका है और ऊँचाई वाले कुछ इलाकों में बर्फबारी भी हुई है। ऐसे में खाद्य आपूर्ति विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि राशन की सप्लाई एडवांस में भेजी जाए, ताकि दुर्गम क्षेत्रों के लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो।

एसडीएम अंकुर ठाकुर खाद्य आपूर्ति विभाग को दिशा-निर्देश जारी करते हुए।

ऊना के करमपुर गांव में तेंदुए ने मचाया हड़कंप

» ग्रामीणों से भिड़ंत में छह लोग घायल, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

ऊना | समर न्यूज

ऊना जिला की हरोली विधानसभा के अंतर्गत करमपुर गांव में सोमवार सुबह एक तेंदुआ रिहायशी इलाके में घुस आया। स्थानीय लोगों के शोर मचाने पर तेंदुआ घर से निकलकर खेतों की ओर भागा, जहां ग्रामीणों ने उसे घेरने की कोशिश की। इसी दौरान तेंदुए और ग्रामीणों के बीच संघर्ष हो गया, जिसमें छह लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, एक व्यक्ति को छोड़कर बाकी सभी को हल्की चोटें आई हैं, जबकि एक घायल को उपचार के लिए ऊना अस्पताल भेजा गया है।वन अधिकारी ऊना के नेतृत्व में टीम ने क्षेत्र को घेर लिया और डॉ. अमित की निगरानी में तेंदुए को सुरक्षित रूप से बेहोश कर पकड़ लिया। बाद में उसे चिकित्सकीय जांच के लिए एमएससी बाउल भेजा गया। फिलहाल गांव में स्थिति सामान्य है, लेकिन ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है।

शिमला के धामी में सजी अनोखी परंपरा-दीवाली के अगले दिन खेला गया 'खूनी पत्थर मेला'

संजू | शिमला
समर न्यूज

दीवाली के ठीक अगले दिन शिमला ज़िले के धामी के हलोग गांव में सदियों पुरानी अनोखी परंपरा के तहत 'पत्थर मेला' आयोजित किया गया। इस बार भी हजारों की संख्या में लोग मां भद्रकाली मंदिर परिसर में इकट्ठा हुए और करीब 25 मिनट तक पत्थरों की बारिश चली। इस खेल में 60 वर्षीय सुभाष, कटैड़ू खुंद से, को पत्थर लगा और पारंपरिक मान्यता के अनुसार उनका खून मां काली को तिलक के रूप में चढ़ाया गया।

पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी थी। मौके पर एम्बुलेंस और चिकित्सा दल भी मौजूद रहे। इस खेल में केवल स्थानीय खुंद के पुरुषों को ही भाग लेने की अनुमति होती है महिलाओं और बाहरी लोगों के लिए इसमें भागीदारी वर्जित है।

» पत्थर खेल का इतिहास

करीब 400 वर्ष पुरानी परंपरा के अनुसार, कभी धामी रियासत में महामारी और अनिष्ट घटनाओं से बचने के लिए नरबलि दी जाती थी। यह प्रथा रानी को स्वीकार नहीं थी, इसलिए उन्होंने इसे रोकने के लिए स्वयं सती होने का निर्णय लिया।सती होने से पहले रानी ने कहा था कि अब मानव बलि नहीं दी जाएगी — यदि मां काली को रक्त चढ़ाना है, तो वह पत्थर खेल के माध्यम से होगा। उसी स्थान पर आज 'रानी का चौरा' बना हुआ है, जहां हर वर्ष यह मेला आयोजित किया जाता है।

» मां काली को अर्पित किया जाता है रक्त

रानी की इस परंपरा के तहत, आज भी लोग स्वेच्छा से पत्थर लगने की कामना करते हैं। उनका मानना है कि यदि उन्हें पत्थर लगता है और रक्त निकलता है, तो यह शुभ संकेत होता है और मां भद्रकाली उनसे प्रसन्न होती हैं।

» क्या कहते हैं राजघराने और समिति के लोग

जगदीप सिंह राणा, राजघराने के उत्तराधिकारी ने बताया —यह हमारी आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है। रानी की स्मृति में यह पत्थर खेल आयोजित किया जाता है और हर साल हजारों लोग इस परंपरा को निभाने आते हैं।"

रणजीत सिंह कंवर, जनरल सेक्रेटरी, मेला कमेटी धामी ने कहा कि मेले की शुरुआत भगवान नरसिंह मंदिर से पूजा-अर्चना के साथ होती है। इसके बाद ढोल-नगाड़ों के साथ जुलूस निकलता है जो रानी के स्मारक तक पहुंचता है। वहां दोनों खुंदों के लोग एक-दूसरे पर पत्थर फेंकते हैं।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने अनाथ बच्चों संग मनाई दीपावली

» मिठाई और उपहार बांटे

संजू | शिमला
समर न्यूज

दीपावली के अवसर पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिमला स्थित बालिका आश्रम और नारी सेवा सदन का दौरा किया। उन्होंने वहां रह रही बालिकाओं के साथ दीपावली मनाई, उन्हें पर्व की शुभकामनाएं दीं और मिठाई व उपहार वितरित किए।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने इस दौरान कहा कि राज्य सरकार अनाथ और निराश्रित बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के तहत सरकार ऐसे बच्चों की 27 वर्ष की आयु तक शिक्षा और देखभाल की पूरी जिम्मेदारी निभा रही है। उन्होंने कहा कि ये बच्चे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और राज्य के संसाधनों पर उनका पूरा अधिकार है।मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वस्त किया कि 12वीं कक्षा के बाद भी सरकार इन बच्चों की उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा का पूरा खर्च वहन करेगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

दीपावली पर शिमला के बालिका आश्रम पहुंचे मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू।

मोइन पुलिस ने दिखाई इंसानियत, श्रद्धालु को पहुंचाया घर

विकास | नूरपुर
समर न्यूज

मोइन थाना पुलिस ने दीपावली के अवसर पर मानवता की अनोखी मिसाल पेश की। होशियारपुर के रहने वाले राजकुमार नामक श्रद्धालु की मदद कर पुलिस ने समाज में करुणा और सेवा का संदेश दिया।

जानकारी के अनुसार, राजकुमार करीब 10–12 दिन पहले माता श्री चिंतपूर्णी के दरबार में दर्शन करने आया था। दर्शन के बाद वह कालू दी बड स्थित राधा स्वामी व्यास सत्संग घर पहुंचा। वापसी के दौरान उसके शरीर में चोट लग गई, जिससे वह चलने-फिरने में असमर्थ हो गया और चिंतपूर्णी बस स्टैंड पर ही पड़ा रहा।स्थानीय लोगों ने जब उसे इस हालत में देखा तो मीडिया कर्मियों के माध्यम से पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संजीव कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। टीम ने राजकुमार को नहलाया, धुलाया, नए वस्त्र पहनाए और फिर उसकी होशियारपुर वापसी का प्रबंध किया।

पुलिस के इस मानवीय और संवेदनशील व्यवहार की स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने सराहना की। दीपावली जैसे व्यस्त त्योहार पर भी मोइन थाना पुलिस का यह सेवा और करुणा का उदाहरण क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मोइन थाना प्रभारी संजीव कुमार और पुलिस टीम घायल श्रद्धालु राजकुमार को सहायता प्रदान करते हुए। पुलिस ने दीपावली के दिन मानवता की मिसाल पेश की।

उपायुक्त जतिन लाल ने वरिष्ठ नागरिकों और प्रवासी बच्चों संग मनाई खुशियों की दीपावली

» समाज के विभिन्न वर्गों के साथ साझा कीं खुशियां, करुणा और संवेदनशील प्रशासन का दिया संदेश

राकेश | ऊना
समर न्यूज

दीपावली के पावन पर्व पर उपायुक्त ऊना जतिन लाल ने समाज के विभिन्न वर्गों के साथ उत्सव की खुशियां साझा करते हुए मानवीय करुणा, संवेदनशील प्रशासन और साझे उल्लास का संदेश दिया।

उपायुक्त जतिन लाल अपने परिवार सहित चड़तगढ़ स्थित वरिष्ठ नागरिक सुविधा केंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने केंद्र में रह रहे बुजुर्गों से स्नेहपूर्वक भेंट की। उन्होंने बुजुर्गों को कंबल और मिठाइयां भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं तथा उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर उनकी माता श्रीमती कमलेश लाल, पत्नी डॉ. रेणु शेरावत और सुपुत्र विहान लाल भी साथ उपस्थित रहे। डीसी ने केंद्र की स्वास्थ्य, भोजन एवं आवश्यक सुविधाओं का निरीक्षण किया और प्रबंधन को सभी जरूरतों का ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि केंद्र के सुदृढ़ीकरण के लिए दो लाख रुपये की राशि उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर ह्यूमन राइट प्रोटेक्शन सेल एंड वेलफेयर सोसाइटी चड़तगढ़ के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेश कुमार ऐरी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।इसके उपरांत, उपायुक्त परिवार सहित शिक्षा सुधार समिति, ईसपुर द्वारा नौण मंदिर प्रांगण में आयोजित दीपावली उत्सव में शामिल हुए। समिति के गैर-आवासीय प्रशिक्षण केंद्रों के प्रवासी बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियों, गीतों और सुंदर रंगोलियों से उत्सव को उल्लासमय बना दिया। डीसी जतिन लाल ने बच्चों की प्रस्तुतियों और उत्साह की सराहना की तथा उनके साथ खेल प्रतियोगिताओं में सहभागिता की। इस दौरान म्यूजिकल चेयर, सैक रेस और लेमन रेस का आयोजन किया गया, जिसमें विहान लाल, अंजली और कोमल ने क्रमशः प्रथम स्थान प्राप्त किया।कार्यक्रम के दौरान सभी गैर-आवासीय केंद्रों के बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित की गई।

उपायुक्त ऊना जतिन लाल दीपावली के अवसर पर चड़तगढ़ स्थित वरिष्ठ नागरिक सुविधा केंद्र में बुजुर्गों को कंबल और मिठाई भेंट करते हुए।

सिविल अस्पताल में डोप टेस्ट गेम

पैसा एजेंटों की मर्जी का और रिपोर्ट पैसा खर्चने वाले की मर्जी के मुताबिक

सुनील शिंगार/ अशवनी पाहवा, लुधियाना

असलाह लाइसेंस बनाने के लिए सिविल अस्पताल से होने वाले डोप टेस्ट की इन दिनों बड़े स्तर पर गेम चल रही है। इस गेम को चलाने के लिए सिविल अस्पताल में कई एजेंट सक्रिय हैं जो कि रुपए लेकर वह काम कर देते हैं जो आपने सोचा भी नहीं होगा। पैसा एजेंटों की मर्जी का और डोप टेस्ट की रिपोर्ट पैसा खर्चने वाले की मर्जी की।

इस सब गेम के पीछे सिविल अस्पताल का प्रशासन खुद को बड़ा ही मासूम मानता है और साफ शब्दों में कहा जाता है कि उनको इसके बारे में कुछ पता ही नहीं। सिविल अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों का यह भी मानना है कि बीते कुछ दिनों से उन्होंने डोप टेस्ट की प्रक्रिया को बदल दिया है जिसमें किसी भी तरह की धांधली की कोई गुंजाइश नहीं है।

सिविल अस्पताल के कई दर्जा चार कर्मियों की मिलीभगत

डोप टेस्ट के इस धंधे में सिविल अस्पताल के दर्जा चार के कर्मचारियों की मिली भगत अक्सर ही सामने आती रही है। कारण है कि वह अस्पताल के हर व्यक्ति, मुलाजिम और अधिकारियों को जानते हैं। अधिकारियों से नजदीकियां और सरकारी रिकॉर्ड का रखरखाव भी काफी बड़ी भूमिका है।

इन दर्जा चार लोगों के साथ बाहर के कुछ एजेंट भी मिले रहते हैं जो भी इस धंधे को करने के लिए मोटी रकम वसूलते हैं।

बाहर के एजेंट ग्राहक को ला कर दर्जा चार कर्मचारियों के पास पहुंचते हैं और दर्जा चार कर्मचारी इस सारी गेम को बड़े ही आराम से खत्म कर देते हैं जिसकी किसी को भनक भी नहीं लगती।

डोप टेस्ट फेल की गुंजाइश रोजाना 1 या 2

सिविल अस्पताल में रोजाना ही 15 के करीब डोप टेस्ट होते हैं। बड़ी बात यह है कि इनमें 1 या 2 रिपोर्ट ही ऐसी होती है जोकि पॉजिटिव होती है जबकि अधिकतर रिपोर्ट नेगेटिव ही आते हैं। अस्पताल के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हमारे पास जो रिपोर्ट है उसके मुताबिक जितने भी लोग असलाहार रखने के शौकीन होते हैं उनमें अधिकतर कोई ना कोई नशा करने के या तो आदि होते हैं या फिर शौकीन। ऐसे में 1 या 2 पॉजिटिव रिपोर्ट आना भी चौंका देने वाला है।

हम लगातार सख्ती कर रहे हैं

डोप टेस्ट के मामले में हम लगातार सख्ती कर रहे है। हमारे पास रोजाना 30 के करीब डोप टेस्ट होते हैं जिसमें से 15 सिविलियन लोगों के हैं जबकि 15 कैदियों के। 15 सिविलियन में से मात्र एक या दो ही पॉजिटिव होते हैं जबकि बाकी सब नेगेटिव रिपोर्ट ही आती है।

अखिल सरीन, एसएमओ

ऐसा है एजेंटों के काम करने का तरीका

1. सबसे पहले पैसों की डील होती है जोकि 10 से 20 हजार के बीस कहीं भी फाइनल हो
2. इसके बाद एजेंट उससे फाइल ले लेता है
3. फिर एजेंट अंदर के लोगों से मिल समय फाइनल करता है कि पार्टी को किस दिन कितने बजे बुलाया जाए।
4. जब उक्त व्यक्ति अपना डोप टेस्ट करवाने के लिए आता है तो उस पर एजेंट पैनी नजर रखते हैं कि उसके साथ कोई अधिकारी तो नहीं है।
5. डोप टेस्ट की बारी आने पर उक्त व्यक्ति को एक शीशी पकड़ाई जाती है जिस में किसी ऐसे व्यक्ति का पेशाब रहता है जो नशा नहीं करता (इसमें वहां तैनात सुरक्षा कर्मी की मिली भगत भी रहती है)।
6. उक्त पेशाब से भारी डिब्बी को डॉक्टर के सामने पेश कर दिया जाता है जिसमें स्ट्रिप डाल डॉक्टर चेक करता है तो रिपोर्ट के तौर पर सामने आता है कि उक्त व्यक्ति कोई भी नशा नहीं करता और रिपोर्ट नेगेटिव बना दी जाती है।

धनतेरस की रात मारपीट कर दुकानदार से लूटे 65 हजार रुपये और सोने की चेन

अशवनी पाहवा/लुधियाना
समर न्यूज

जमालपुर के इलाके रामनगर भामियां में धनतेरस की रात लूट और मारपीट की वारदात सामने आई है। जहा बर्तनों की दुकान चलाने वाले एक दुकानदार से कुछ अज्ञात युवको ने मारपीट कर उससे नगदी और सोने की चेन लूट ली और फरार हो गए। पीड़ित दुकानदार ने मामले की शिकायत थाना जमालपुर की पुलिस को दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार पीड़ित रवि कुमार रामनगर भामियां में बर्तनों की दुकान चलाता है। जहा धनतेरस के दिन उसने अपनी दुकान के बाहर सामान लगाया हुआ था। देर रात वह जैसे ही दुकान बंद करने के लिए सामान समेट रहा था, तभी कुछ युवक नशे की हालत में वहां आ पहुंचे। उन्होंने पहले बेवजह उससे झगड़ा शुरू किया और बाद में मारपीट करने लगे। जिसके बाद उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। तभी उसके परिवार वाले बीच-बचाव करने आए तो आरोपियों ने उनके साथ भी धक्का-मुक्की और मारपीट करनी शुरू कर दी। इस दौरान कुछ युवक उसकी दुकान में घुस गए और वहां गल्ले में रखी करीब 65 हजार रुपये की नगदी और उसके गले में से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए।

घायल दुकानदार रवि कुमार

परिवार वालों ने इस घटना की सूचना तुरंत मुंडिया चौकी की पुलिस को दी, लेकिन पुलिस ने शिकायत देने के बावजूद भी किसी आरोपी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। जिसके बाद पीड़ित परिवार ने उच्च अधिकारियों को शिकायत दर्ज करवाई।

गली में हुआ झगड़ा बनी खूनी घटना

» 10-15 लोगों ने घर पर किया हमला

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज

कबीर नगर की गली नंबर 11 में सोमवार देर रात एक मामूली झगड़ा बड़ी हिंसा में बदल गया। बताया जा रहा है कि एक परिवार पर 10 से 15 लोगों ने मिलकर हमला किया। हमलावरों ने घर में घुसकर ईंट-पत्थर फेंके, दरवाजा तोड़ा, सामान तोड़ा-फोड़ा और नकदी तक उड़ाई। पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़िता राजिंदर कौर ने बताया कि गली में झगड़ा चल रहा था। जब उन्होंने मामला शांत करवाने कोशिश की, तो पड़ोसी ऊषा ने उनसे गाली-गलौज शुरू कर दी। राजिंदर कौर के मुताबिक, "जब मेरे पति पहुंचे तो झगड़ा शांत हो गया, लेकिन थोड़ी देर बाद मेरा बेटा ऊषा से बात करने गया तो उसके साथ भी मारपीट की गई। "इसके बाद ऊषा और उसके परिवार के लोग करीब 10 से 15 लोगों के साथ उनके घर पहुंचे और हमला कर दिया। राजिंदर कौर ने कहा, "उन्होंने घर पर ईंट-पत्थर बरसाए, दरवाजा तोड़ा, अंदर घुसकर सामान तोड़ा-फोड़ा और नकदी निकाल ली। मेरे पति पर हमला किया गया और बेटी का फोन छीना गया। घर को काफी नुकसान पहुंचा।"

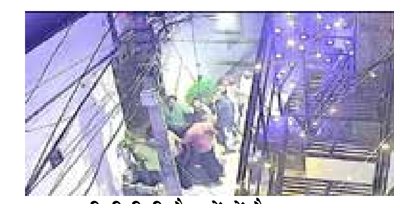

घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद।

घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि हमला करने वाला समूह घर में घुसकर तोड़फोड़ कर रहा है।

पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की जाएगी।

अधिकारियों ने कहा कि शिकायत मिल चुकी है और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना ने इलाके में दहशत फैला दी है और लोग सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

किस्मत का चमत्कार! माता-पिता ने छोड़ी 6 महीने की बच्ची सड़क पर, अब अमेरिकी दंपती ने लिया गोद

समर न्यूज। लुधियाना

पंजाब के लुधियाना में एक मार्मिक घटना सामने आई है। माता-पिता ने 6 महीने की मासूम बच्ची को सड़क पर छोड़ दिया और वहां से भाग गए। स्थानीय लोगों ने जब बच्ची को देखा तो प्रशासन को सूचना दी। प्रशासन ने बच्ची को दोराहा स्थित "हेवेनली पैलेस" बाल आश्रय गृह में भेज दिया।

वहां बच्ची दिन-रात रोती रही और अपने माता-पिता को ढूंढती रही, पर आखिरकार उसे यह एहसास हो गया कि अब यही उसका घर है।

एक साल बाद किस्मत बदली, अमेरिकी दंपती ने अपनाया

बच्ची की किस्मत ने तब करवट ली जब एक साल बाद अमेरिका का एक दंपती उसे गोद लेने भारत पहुंचा।

सभी कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद उस दंपती ने उसे "हेवेनली पैलेस" से गोद लिया और अमेरिका ले गए।

अब यह बच्ची अमेरिका में पली-बढ़ेगी

जिला प्रशासन के अनुसार, बच्ची के पालन-पोषण की स्थिति का नियमित फीडबैक अमेरिकी दूतावास के माध्यम से लिया जा रहा है।

नवंबर 2023 में मिली थी बच्ची, जून 2025 में गई विदेश

यह बच्ची नवंबर 2023 में लुधियाना जिला बाल कल्याण समिति को सौंपी गई थी। मेडिकल जांच के बाद उसे हेवेनली पैलेस के हवाले कर दिया गया। लगभग 1 साल 7 महीने तक वह वहीं पली-बढ़ी और जून 2025 में अमेरिका रवाना हो गई।

सेंट्रल अडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी के माध्यम से हुआ गोद लेना

अमेरिकी दंपती के पहले से तीन बेटे हैं और वे एक बेटी चाहते थे।

उन्होंने भारत सरकार की CARA वेबसाइट के ज़रिए आवेदन किया। इसके बाद उन्हें लुधियाना के हेवेनली पैलेस में पली एक डेढ़ साल की बच्ची को गोद लेने की पेशकश की गई। दंपती भारत आए, बच्ची से मिले और औपचारिकताओं के बाद उसे गोद ले लिया।

हेवेनली पैलेस अब तक चार बच्चियों को नए घर दिला चुका

हेवेनली पैलेस ने 2023 से अब तक चार बच्चियों को गोद दिलवाया है —

अमेरिका के अलावा पश्चिम बंगाल, अमृतसर और होशियारपुर के परिवारों को भी बेटियाँ दी गई हैं। प्रशासन इन सभी बच्चियों के पालन-पोषण पर लगातार नजर रख रहा है। वर्तमान में चार नवजात बच्चियाँ और भी यहाँ रह रही हैं, जो किसी स्नेहमयी गोद की प्रतीक्षा में हैं।

पंजाब के राज्यपाल भी हुए भावुक

कुछ दिन पहले पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने हेवेनली पैलेस का दौरा किया था। उन्होंने बच्चियों को अपनी गोद में उठाया, उनके साथ खेला और कहा —"इन बच्चियों की किस्मत बहुत उज्ज्वल है। शायद इसी कारण ईश्वर ने इनके लिए बेहतर घर तय किया है।"

पुरानी रंजिश के चलते दो गुटों में हुआ विवाद, गोली लगने से एक युवक घायल 3 के सिर पर आई गहरी चोट

» एक पक्ष के युवकों ने दूसरे पक्ष के युवक की एक्टिवा को लगाई आग » विवाद बढ़ने पर चलाई गोली, पीठ पर लगने से युवक घायल

(1) विवाद के दौरान जलाई गई एक्टिवा (2) अस्पताल में घायल असगर (3) मौके पर पुहंची पुलिस लोगो के बयान दर्ज करती हुई।

अशवनी पाहवा/ जगमीत सिंह, लुधियाना

चंडीगढ़ रोड स्थित राम नगर इलाके में मंगलवार को पुरानी रंजिश के चलते दो गुटों में झगड़ा हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष के युवकों ने दूसरे पक्ष की एक्टिवा स्कूटी को आग के हवाले कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों गुट आमने-सामने आ गए और सड़क पर जमकर हाथापाई और मारपीट हुई। इसी दौरान एक पक्ष के युवक ने गोली चला दी, जो एक युवक की पीठ पर जा लगी। जिसे गंभीर हालत में डीएमसी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आरोपी वहां से फरार हो गए। मामले की सूचना थाना जमालपुर की पुलिस को दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वही गोली लगने से घायल हुए युवक की पहचान असगर के रूप में हुई। जिसे तुरंत इलाके के लोगों ने सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहा से बाद में उसे डीएमसी अस्पताल रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों ने बताया कि गोली उसकी पीठ में फंसी हुई है और हालत गंभीर बनी हुई है। वही हमले में तीन अन्य युवक ओम, शिवम और विकास भी घायल हुए। जिनके सिर पर गहरी चोंटे आई, जिन्हें इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

अस्पताल में घायल असगर के परिजनों ने बताया कि वह मुंडियां कलां के राम नगर गली नंबर जीरो का रहने वाला है। वह पार्ट टाइम में फैक्ट्री में काम करता है। असगर अपने दोस्त ओम के साथ उसकी लड़ाई छुड़वाने गया था। ओम की कुछ युवकों से बहस हो रही थी, तभी किसी ने अचानक गोली चला दी, जो असगर को जा लगी। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची थाना जमालपुर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। SHO बलविंदर कौर ने बताया कि डीएमसी अस्पताल से घायल युवक की सूचना मिली है। पुलिस यह जांच कर रही है कि फायरिंग वास्तव में इलाके में हुई या किसी अन्य स्थान पर हुई है, वही पुलिस ने दोनों पक्षों की पहचान कर ली है और पुरानी रंजिश को ही विवाद की मुख्य वजह बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है।

बता दे कि इससे पहले भी दशहरा पर्व वाले दिन भी जमालपुर के इलाके रामनगर में गोली चली थी, जिसमें एक 19 वर्षीय युवक हिमांशु की मौत हो गई थी। थाना जमालपुर के अधीन पड़ते रामनगर में अक्सर गोली चलने की वारदात सामने आ रही है। इलाके के लोगों ने बताया कि अक्सर पुलिस को इलाके में वारदात होने या उसके बाद एक-दो दिन तक ही देखा जाता है। जिसके बाद फिर से इलाके में कोई ना कोई बड़ी वारदात हो जाती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि उनके इलाके में पुलिस की गश्त बढ़ाई जाए, ताकि बदमाशों पर समय रहते ही नकेल कसी जा सके।

पुलिस स्मृति दिवस : सीपी ने शहीदों को दिल से श्रद्धांजलि अर्पित की

» शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों को पूर्ण सहयोग देने का दिया भरोसा

समर न्यूज । लुधियाना

मंगलवार को लुधियाना पुलिस लाइंस में पुलिस स्मृति दिवस मनाया गया, जिसमें देश की एकता और अखंडता के लिए प्राण न्योछावर करने वाले बहादुर पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पुलिस आयुक्त स्वपन शर्मा ने कार्यक्रम की अगुवाई की, जिसमें पंजाब पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के शहीद जवानों का सम्मान किया गया।

पूर्व पुलिस महानिदेशक डी.आर. भट्टी, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर राकेश कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ स्वपन शर्मा ने पंजाब पुलिस की प्रशंसा की, जिसे उन्होंने एक आदर्श शक्ति बताया जो शांति और अशांति दोनों समय में देश की सेवा के लिए प्रतिबद्ध रही है।

उन्होंने आतंकवाद से मुकाबला करने और आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने में पुलिसकर्मियों के साहस को रेखांकित किया। उन्होंने यह भी बताया कि लुधियाना पुलिस के 117 कर्मियों ने राज्य में आतंकवाद के काले दिनों के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी थी।

कार्यक्रम का एक भावनात्मक पल उन पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के नामों का वाचन था जिन्होंने पिछले वर्ष अपने प्राण न्योछावर किए, उनकी सर्वोच्च कुर्बानी को नमन किया गया।

स्वपन शर्मा ने कहा कि आज हमें जो स्वतंत्रता और सुरक्षा प्राप्त है, वह इन शहीदों की अदम्य वीरता का परिणाम है। उन्होंने पंजाब पुलिस की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया कि वह सीमावर्ती राज्य की सेवा समर्पण और बहादुरी के साथ करती रहेगी। पुलिस आयुक्त ने शहीदों के परिवारों को पंजाब सरकार तथा पंजाब पुलिस की ओर से हर संभव सहायता का भरोसा भी दिलाया। उन्होंने कहा, "हम अपने बहादुर शहीदों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं और उनकी कुर्बानियों के सम्मान में हर प्रकार की मदद सुनिश्चित करेंगे।"

पुलिस स्मृति दिवस का इतिहास

पुलिस स्मृति दिवस की शुरुआत 21 अक्टूबर 1959 से हुई, जब उप-निरीक्षक करम सिंह के नेतृत्व में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक गश्ती टोली पर लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में चीनी सैनिकों ने हमला कर दिया था। हमले में 10 जवान शहीद हो गए थे। तब से हर वर्ष 21 अक्टूबर को पूरे भारत में पुलिस इकाइयाँ शहीद पुलिस जवानों की कुर्बानियों को याद करने के लिए स्मृति परेड आयोजित करती हैं। इस समारोह में हथियार उलटाने और दो मिनट का मौन रखने के साथ-साथ राज्य पुलिस तथा अर्द्धसैनिक बलों के शहीद जवानों के नाम पढ़े जाते हैं और उनकी निःस्वार्थ सेवा को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

लुधियाना में डीएसपी को बीच सड़क आया गुस्सा

» लोगों के सामने दी गालियां

समर न्यूज। लुधियाना

पंजाब के लुधियाना में दीवाली की रात एक अजीब वाकया सामने आया। डीएसपी जतिंदर चोपड़ा का सड़क के बीच एक दंपती से झगड़ा हो गया। विवाद तब शुरू हुआ जब डीएसपी की कार एक दूसरी कार से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डीएसपी की गाड़ी को भारी नुकसान हुआ और एक पैदल खड़ी दूसरी कार को भी क्षति पहुँची। टक्कर के बाद दोनों पक्षों में बहस शुरू हो गई। झगड़ा इतना बढ़ा कि दोनों पक्ष सड़क के बीच बहस करते हुए गाली-गलौज करने लगे। इसी दौरान मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने वीडियो बनाना शुरू कर दिया।

पत्नी के साथ जा रहे व्यक्ति से हुई कहासुनी

जानकारी के अनुसार, एक व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ कार में जा रहा था। उनकी गाड़ी बाड़ेवाल रोड पर डीएसपी जतिंदर चोपड़ा की कार से टकरा गई। डीएसपी अपने भाई के साथ कार में सवार था। टक्कर होते ही दोनों पक्ष गाड़ी से बाहर निकल आए और अपने-अपने वाहनों के नुकसान को देखने लगे।

गाड़ियों के नुकसान पर भड़का डीएसपी, सड़क पर मचा हंगामा

टक्कर में डीएसपी की कार को काफ़ी नुकसान हुआ, जबकि सामने वाले व्यक्ति की गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हुई। आरोप है कि डीएसपी कार के नुकसान पर बुरी तरह गुस्से में आ गया और उस व्यक्ति से झगड़ने लगा। जब व्यक्ति ने भी अपनी गाड़ी के नुकसान की बात रखी, तो दोनों में तीखी नोकझोंक शुरू हो गई।

जैसे ही किसी ने झगड़े का वीडियो बनाना शुरू किया, डीएसपी और भी भड़क उठा। कहा जा रहा है कि डीएसपी और उसके भाई ने उस व्यक्ति को गालियां दीं। मौके पर लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि वीडियो बनाने वाला व्यक्ति कौन था।

डीएसपी पर अभद्र व्यवहार और मारपीट के आरोप, कारोबारी ने की शिकायत

अशवनी पाहवा/समर न्यूज | लुधियाना

लुधियाना के एक होजरी कारोबारी ने डीएसपी स्तर के अधिकारी पर अभद्र व्यवहार, धमकी और मारपीट के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित कारोबारी सुमित माडिया मंगलवार को कैमरे के सामने पुलिस कमिश्नर (CP) ऑफिस पहुंचे और पूरे मामले की शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने पुलिस प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता सुमित माडिया, पुत्र स्वर्गीय विजय कुमार, निवासी बरेवाल रोड ने बताया कि सोमवार रात करीब 9 बजे वह अपनी मारुति सियाज कार में पत्नी आंचल माडिया और बेटे सुचाल माडिया के साथ वेरका चौक की ओर जा रहे थे। इस दौरान गुरदेव अस्पताल चौक के पास उनकी कार को एक अन्य कार ने टक्कर मार दी। सुमित के अनुसार, जब वह अपनी कार से बाहर निकले तो दूसरी कार के चालक और दो महिलाओं ने उनके साथ गाली-गलौज की। इसी दौरान एक व्यक्ति मौके पर आया, जिसने खुद को डीएसपी जितेंद्र चोपड़ा बताया। सुमित का आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने न केवल अभद्र भाषा का प्रयोग किया बल्कि जब उन्होंने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया, तो डीएसपी ने धमकी दी— "मेरे कई वीडियो बन चुके हैं, तुम भी वायरल कर दो, मैं तुम्हें इतने परचे दूंगा कि गिन नहीं पाओगे।"

सुमित माडिया के अनुसार, थोड़ी देर बाद 8 से 10 अज्ञात लोग और वहां पहुंच गए, जिन्होंने उन्हें और उनके भाई अमित माडिया को पकड़कर मारपीट की, उनके मोबाइल फोन तोड़ दिए और वीडियो डिलीट करने का दबाव बनाया। पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर से अपील की है कि घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

किसी से ना कहना

कहानी पंजाब की – ‘भुल्लर’ नाम का ब्रांड !

एक ऐसे सिस्टम की कहानी,
जिसने सच को छुट्टी दे दी और
झूठ को तरक्की।
कभी-कभी सोचता हूँ — पंजाब
की किसी यूनिवर्सिटी में “भुल्लर
मॉडल ऑफ सर्वाइवल” नाम का
कोर्स क्यों नहीं शुरू किया गया?
क्योंकि जो कला इस डिप्टी साहब
ने दिखाई — वो तो हर अफ़सर
और विद्यार्थी को सिखनी चाहिए।
कैसे बदनाम होकर भी नाम कमाया
जाता है!
पहले लोग बदनामी से डरते थे,
अब “बदनामी” एक नया प्रमाणपत्र
बन गया है — जितना बदनाम,
उतना मशहूर उतना बड़ा ब्रांड!
और ये हुनर सिर्फ़ भुल्लर जैसे ही
सिखा सकते हैं — जिन्होंने “धारा
311” को भी क्लीन चिट में बदल
दिया।
सरकारें आती-जाती रहीं, पर कुर्सी
वही रही — क्योंकि अब कुर्सी को
भी आदत हो गई है कि उस पर
“बेदाग़” (वॉशिंग पाउडर से धुले)
ही बैठते हैं।
जब सीबीआई ने भी पकड़ा, तो
लोगों ने कहा —
“वाह जी वाह! अब तो नेटफ्लिक्स
सीरीज़ बननी चाहिए — ‘भुल्लरः
रिटर्न्स ऑफ द डिप्टी’!”
पर सिस्टम का क्या कसूर?
वो तो मिट्टी का है — जिसे
चालाक हाथों ने इस कदर गूँथ दिया
कि अब क़ानून भी पूछता है,
“भुल्लर भाजी, अब मैं कैसे
चलूँ?”
जायदाद तो पहले से काफी थी,
लेकिन हवस की कोई सीमा नहीं।
कभी कहा, “मैं सिस्टम बदलूँगा”,
पर सिस्टम ने कहा — “तू नहीं, तू
मेरे साथ चल।”
और भुल्लर सीख गया — किस
मंत्री की जय-जयकार करनी है,
किसे चाय पिलानी है।
आज भुल्लर कोई इंसान नहीं, एक
सोच का नाम है —
जहाँ लोक-लाज मर चुकी है और
शर्म ने भी रिटायरमेंट ले लिया है।
अब सच्चा आदमी बेवकूफ
कहलाता है और झूठा “स्मार्ट
अफसर”।
और सबसे बड़ी त्रासदी —
चार दिन चर्चा होती है, पाँचवें दिन
लोग भूल जाते हैं।
भुल्लर नहीं, भूलने की आदत ही
पंजाब की असली त्रासदी है।

सूर्य नमस्कार से लेकर वज्रासन तक के आसान योगासन बनाएंगे आपकी सेहत

हम जिस तरह अपनी सुबह की शुरुआत करते हैं, वही दिशा तय करती है कि हमारा पूरा दिन कैसा बीतेगा। अगर सुबह नींद से उठते ही हम कुछ मिनट खुद के लिए निकाल लें, तो ये दिनभर के लिए हमारे शरीर और मन को एक

नई ताकत दे सकता है।ऐसे में योग सिर्फ एक शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि एक ऐसी जीवनशैली बन सकता है जो हमारे शरीर को मजबूत, मन को शांत और सोच को सकारात्मक बनाता है। आयुष मंत्रालय भी बार-बार इस बात पर जोर देता है कि अगर हर इंसान दिन की शुरुआत योग से करे, तो बीमारियां कम होंगी और जीवन की गुणवत्ता बेहतर होगी। आयुष मंत्रालय के मुताबिक, अगर सुबह के 15-20 मिनट कुछ आसान योगासन कर लिए जाएं, तो

ये ना केवल शरीर को लचीला और मजबूत बनाते हैं, बल्कि दिमाग को भी तरोताजा रखते हैं। सुबह-सुबह सूर्य नमस्कार करने का असर पूरे शरीर पर पड़ता है। इसमें 12 आसान स्टेप्स होते हैं, जो सिर से लेकर पांव तक हर हिस्से की हल्की कसरत कराते हैं। इस आसन में सांसों का तालमेल, शरीर का झुकाव और खिंचाव एक साथ होता है, जिससे शरीर में रक्त प्रवाह बढ़ता है और मांसपेशियों को ताकत मिलती है। जब आप इसे रोजाना करते हैं, तो शरीर धीरे-धीरे लचीला बनता है और मेटाबॉलिज्म भी सुधरता है। ये उन लोगों के लिए और भी फायदेमंद है जो सुबह आलस्य महसूस करते हैं, क्योंकि सूर्य नमस्कार शरीर में ऊर्जा का संचार करता है।

ताड़ासन एक ऐसा सरल आसन है जिसे बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक कोई भी कर सकता है। ये दिखने में जितना आसान है, उतना ही असरदार भी है। जब आप पंजों के बल खड़े होकर दोनों हाथों को ऊपर उठाते हैं और शरीर को खींचते हैं, तो आपकी रीढ़ की हड्डी सीधी होती है और शरीर का संतुलन बेहतर होता है। इस आसन से न केवल शरीर मजबूत बनता है, बल्कि आपकी पर्सनैलिटी भी खुलकर सामने आती है। लंबे समय तक करने से यह कद बढ़ाने में भी मददगार साबित हो सकता है, खासतौर पर बच्चों के लिए।

भुजंगासन उन लोगों के लिए वरदान है जिन्हें पीठ दर्द की शिकायत रहती है या जो दिनभर कंप्यूटर के सामने बैठे रहते हैं। जब आप पेट के बल लेटकर छाती को ऊपर उठाते हैं, तो आपकी रीढ़ की हड्डी में खिंचाव आता है और शरीर के ऊपरी हिस्से, खासकर पीठ, कंधे और छाती की मांसपेशियां एक्टिव होती हैं। ये आसन मानसिक तनाव को भी कम करता है और चेहरे पर ताजगी लाता है।

वज्रासन एकमात्र ऐसा आसन है जिसे खाना खाने के बाद भी किया जा सकता है। घुटनों के बल बैठकर एड़ियों पर शरीर को टिका होता है, जिससे बेहतर पाचन होता है। जब आप वज्रासन में बैठते हैं, तो पेट के भीतर हल्का दबाव बनता है जो पाचन क्रिया को तेज करता है। यही कारण है कि इसे रोजाना कुछ मिनट करना अपच, गैस और पेट फूलने जैसी समस्याओं को दूर करता है।

पेट की समस्याएं दूर करने और मानसिक शांति के लिए करें अधोमुख श्वानासन

योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी प्रदान करता है। योग के कई आसनों में से एक प्रभावी आसन है ‘अधोमुख श्वानासन’, जिसे अंग्रेजी में ‘डाउनवर्ड फेसिंग डॉग’ के नाम से भी जाना जाता है। यह आसन शरीर को लचीलापन और स्थिरता प्रदान करता है।विशेष रूप से ये रीढ़ की हड्डी, मांसपेशियों और पूरे शरीर के लिए बेहद लाभकारी है। आइए, इस आसन के फायदों और इसे करने की सरल विधि को विस्तार से समझें। आयुर्वेद के अनुसार, यह आसन ‘वात दोष’ को संतुलित करता है, जो गतिशीलता और हल्केपन को बढ़ाता है। यह मुद्रा पृथ्वी से जुड़ाव और गुरुत्वाकर्षण के साथ स्थिरता प्रदान करती है। जब यह योगासन करते हैं तो सिर नीचे की ओर जाता है। ऐसा करने से मस्तिष्क में रक्त संचार बेहतर होता है और ऊर्जा का स्तर बढ़ता है।

साथ ही, यह पाचन तंत्र को मजबूत करता है, पेट की समस्याओं को दूर करता है और मन को शांत रखता है। इसके नियमित अभ्यास से अनिद्रा, थकान और चिंता जैसी समस्याओं में भी राहत मिलती है।

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले

‘टेबल टॉप पोजीशन’ में आएं। इसमें दोनों हाथ कंधों के ठीक नीचे और घुटने कूल्हों के समानांतर होने चाहिए। अब धीरे-धीरे अपने पंजों को जमीन पर टिकाएं और घुटनों को ऊपर उठाएं। कूल्हों को आसमान की ओर ले जाकर शरीर को त्रिकोण के आकार में लाएं। इस स्थिति में स्थिर होने के बाद पैरों को धीरे-धीरे सीधा करने की कोशिश करें।

अगर शुरुआत में एड़ियां जमीन तक न पहुंचें तो चिंता न करें। घुटनों को हल्का मोड़कर कमर को सीधा रखें, ताकि रीढ़ पर दबाव न पड़े। समय के साथ लचीलापन बढ़ने पर आप पैरों को पूरी तरह सीधा कर पाएंगे। इस दौरान उंगलियां फैली हुई और कंधे कानों से दूर रखें। गहरी सांस लें और सांस छोड़ते समय शरीर को आराम दें। इसके नियमित अभ्यास से शरीर में ताकत और लचीलापन बेहतर होगा।

इस आसन को धीरे और सावधानी से करें। यदि आपको कलाई, कंधे या पीठ में दर्द है तो योग विशेषज्ञ की सलाह लें। गर्भवती महिलाएं या गंभीर चोट वाले लोग इस आसन को न करें।

दिन भर एक जगह पड़े रहना कर सकता है आपको बीमार

आज की डिजिटल और व्यस्त जीवनशैली ने इंसान को शारीरिक रूप से इतना निष्क्रिय बना दिया है कि स्वास्थ्य पर इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। घंटों तक एक ही जगह बैठना, मोबाइल और लैपटॉप की स्क्रीन पर लगातार नजरें गड़ाए रखना और शारीरिक श्रम से दूरी रखना आज आम बात हो गई है। यह निष्क्रियता धीरे-धीरे अनेक रोगों की जड़ बनती जा रही है।आयुर्वेद के अनुसार, जब शरीर को उचित मात्रा में गतिविधि नहीं मिलती, तो वात, पित्त और कफ तीनों दोष असंतुलित होकर अनेक रोगों को जन्म देते हैं। चरक संहिता में स्पष्ट कहा गया है कि नियमित व्यायाम से स्वास्थ्य, दीर्घायु, बल और मानसिक सुख प्राप्त होते हैं। शारीरिक गतिविधि की कमी से मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, जोड़ों का दर्द, मानसिक तनाव, पाचन विकार और प्रतिरक्षा प्रणाली की कमजोरी जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। लगातार बैठे रहने से मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है, वसा जमा होती है, रक्त संचार बाधित होता है और हार्मोन असंतुलन के कारण मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है।

आयुर्वेद में इन समस्याओं के लिए प्राकृतिक और घरेलू समाधान बताए गए हैं। सबसे पहला उपाय है दैनिक व्यायाम। सुबह कम से कम 30 मिनट टहलना या हल्की दौड़ लगाना अत्यंत लाभकारी है। सूर्य नमस्कार को संपूर्ण व्यायाम माना गया है जो शरीर को संतुलन, लचीलापन और ऊर्जा प्रदान करता है। साथ ही, ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन जैसे सरल आसन नियमित रूप से करने चाहिए।

प्राणायाम जैसे अनुलोम-विलोम, कपालभाति और सूर्यभेदी नाड़ी शरीर के दोषों को संतुलित कर मानसिक शांति भी देते हैं।

संतुलित आहार भी आवश्यक है। भारी, तली-भुनी चीजों की बजाय हरी सब्जियां, अंकुरित अनाज, फल और हल्का भोजन करना चाहिए। सुबह गुनगुना पानी या त्रिफला जल पीना पाचन में सहायक होता है।

भोजन के बाद कुछ देर टहलना पाचन क्रिया को सुचारू बनाता है। अभ्यंग यानी तेल मालिश भी आयुर्वेद में एक महत्वपूर्ण अभ्यास माना गया है, जिससे शरीर की थकान दूर होती है और स्नायु मजबूत होते हैं।

शारीरिक गतिविधि सिर्फ शरीर के लिए नहीं, बल्कि मन और आत्मा के लिए भी आवश्यक है। यदि हम डिजिटल जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव करें, तो हम अनेक गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं।

पंजाब एफसी ने समीर ज़ेल्ज़कोविक को सीज़न के पहले विदेशी खिलाड़ी के रूप में साइन किया

समर न्यूज | मोहाली

पंजाब एफसी ने समीर ज़ेल्ज़कोविक को टीम का पहला विदेशी साइनिंग घोषित किया है, जो 25 अक्टूबर से गोवा में शुरू होने वाले एआईएफएफ सुपर कप 2025 से पहले टीम में शामिल हो रहे हैं। ज़ेल्ज़कोविक को फ्री ट्रांसफर पर एक साल के अनुबंध के तहत साइन किया गया है। वे पिछले सीज़न सर्बिया के क्लब रादनिकी 1923 के साथ खेले थे।बोस्निया और हर्ज़ेगोविना के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ज़ेल्ज़कोविक सेंटर बैक या डिफेंसिव मिडफील्डर दोनों पोज़िशनों पर खेल सकते हैं। उन्हें यूरोपीय लीग्स में खेलने का अनुभव है और उन्होंने अपने पिछले क्लब रादनिकी 1923 के लिए 2025-26 यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग क्वालिफायर में भाग लिया था। उन्हें 2020-21 यूईएफए नेशंस लीग में इटली और नीदरलैंड्स के खिलाफ मैचों के लिए संभावित टीम में शामिल किया गया था और ईरान के खिलाफ फ्रेंडली मैच के लिए भी बुलाया गया था। 28 वर्षीय ज़ेल्ज़कोविक ने एफके साराजेवो की युवा अकादमी से फुटबॉल की शुरुआत की,

जहाँ उन्होंने छह साल बिताए। इसके बाद उन्होंने इगमैन कोंजिक क्लब से 2017-18 सीज़न में बोस्निया की सेकंड डिवीज़न में अपना सीनियर पदार्पण किया। अगले सीज़न में उन्होंने बोस्निया और हर्ज़ेगोविना के प्रमुख क्लब वेलज़ मोस्टार में कदम रखा, जहाँ उन्होंने पांच सीज़नों में कुल 149 मैच खेले। 2023 में, ज़ेल्ज़कोविक अपने बचपन के क्लब एफके साराजेवो लौटे, जहाँ से उन्हें उज़्बेकिस्तान सुपर लीग क्लब बुन्योदकोर को लोन पर भेजा गया था।

साइनिंग पर बोलते हुए, पंजाब एफसी के तकनीकी निदेशक निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, “हमारी भर्ती नीति हमेशा रणनीतिक रही है। हम ऐसे खिलाड़ियों की पहचान करते हैं जो हमारे सिस्टम में फिट बैठते हैं और साथ ही अपने अनुभव और प्रोफेशनलिज़्म से टीम के माहौल को बेहतर बनाते हैं। समीर के पास यूरोप और एशिया दोनों महाद्वीपों में खेलने का अनुभव है। हमें विश्वास है कि समीर टीम के प्रदर्शन स्तर को ऊंचा उठाने के साथ-साथ हमारे युवा खिलाड़ियों के विकास में भी योगदान देंगे।”

नए सफर को लेकर उत्साहित समीर ज़ेल्ज़कोविक ने कहा, “मैं पंजाब एफसी के रंग पहनने और इस नए अध्याय की शुरुआत करने को लेकर बेहद उत्साहित हूँ। किसी ऐसे क्लब से जुड़ना हमेशा खास होता है जो कुछ सार्थक बना रहा हो। मैंने पंजाब एफसी की भारत में फुटबॉल के विकास को लेकर दृष्टि के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनी हैं और मैं उस यात्रा का हिस्सा बनना चाहता हूँ। मुझे पता है कि भारतीय फुटबॉल तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, और यह कदम मेरे लिए एक खिलाड़ी और एक व्यक्ति के रूप में सही लगा।

एशियन यूथ गेम्स : 23 सदस्यीय बॉक्सिंग दल से भारत को उम्मीदें, बहरीन रवाना हुए खिलाड़ी

समर न्यूज | नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने एशियन यूथ गेम्स 2025 के लिए 23 सदस्यीय मुक्केबाजी दल को बहरीन रवाना किया है। एशियन यूथ गेम्स का आयोजन 22-31 अक्टूबर के बीच होगा। हालांकि, कुछ प्रतियोगिताएं 19 अक्टूबर से शुरू हो गई हैं।यह दल मनामा में आयोजित एशियन यूथ गेम्स में 14 भार वर्गों में देश का प्रतिनिधित्व करेगा। इनमें अंडर-17 आयु वर्ग में लड़के और लड़कियों के लिए सात-सात भार वर्ग शामिल हैं। एग्जीबिशन वर्ल्ड बहरीन हॉल 9 में मुक्केबाजी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिसमें सिंगल-एलिमिनेशन फॉर्मेट में तीन राउंड के मुकाबले होंगे। पदक समारोह 30 अक्टूबर, जबकि समापन समारोह 31 अक्टूबर को होगा। एशियन यूथ गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रहे मुक्केबाजों ने 23 सितंबर से

20 अक्टूबर तक एनएस एनआईएस पटियाला में हाई-इंटेंसिटी ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लिया है। ये खिलाड़ी अब एशिया के सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाजों से मुकाबले के लिए तैयार हैं। कैंप में हेड कोच विनोद कुमार (ब्वॉयज अंडर-17) और जितेंद्र राज सिंह (गर्ल्स अंडर-17) की देखरेख में तकनीक, तेजी और शारीरिक फिटनेस को बेहतर बनाने पर फोकस किया गया।

चोट के बाद पंत की होगी जोरदार वापसी, साउथ अफ्रीका ‘ए’ के खिलाफ संभालेंगे टीम की कमान

समर न्यूज | मुंबई

चोट के कारण लंबे समय तक क्रिकेट मैदान से दूर रहने के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत आखिरकार वापसी को तैयार हैं। बीसीसीआई चयन समिति ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो चार दिवसीय मुकाबलों के लिए पंत को भारत ‘ए’ टीम का कप्तान नियुक्त किया है।ये दो चार दिवसीय मैच 30 अक्टूबर से 9 नवंबर तक बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे।

जुलाई के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान पंत के दाहिने पैर की मेटाटार्सल बोन में फ्रैक्चर हो गया था। पैर में फ्रैक्चर के कारण तीन

महीनों तक मैदान से बाहर रहने वाले पंत की वापसी की उम्मीद थी।

क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप करते समय पंत के दाहिने पैर का अंदरूनी किनारा लग गया था, जिसके बाद उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। स्कैन के बाद उनके पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई।

इसके बाद ऋषभ पंत एशिया कप 2025 में नहीं खेल सके। इसके अलावा, उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज से भी बाहर रहना पड़ा। अब पंत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ व्हाइट-बॉल दौरे से भी चूक गए हैं। इस बीच पंत बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में अपना रिहैब पूरा कर रहे थे। टेस्ट में भारत के उप-कप्तान पंत ने इंग्लैंड दौरे पर सात पारियों में 68.42 की औसत से 479 रन बनाए। इस दौरान लीड्स टेस्ट की दोनों पारियों में लगाए गए शतक भी शामिल हैं।

साउथ अफ्रीका बनाम पाकिस्तान : केशव महाराज के नाम 7 विकेट, मेजबान 333 रन पर ढेर

समर न्यूज | नई दिल्ली

पाकिस्तान की टीम रावलपिंडी में जारी दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में महज 333 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की ओर से सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक, सऊद शकील और कप्तान शान मसूद ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं।रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम को 35 के स्कोर पर इमाम-उल-हक (17) के रूप में झटका लगा। इसके बाद अब्दुल्ला

शफीक ने कप्तान मसूद के साथ दूसरे विकेट के लिए 111 रन की साझेदारी करते हुए पाकिस्तान को संभाला। शफीक 146 गेंदों में चार चौकों की मदद से 57 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बाबर आजम (16) भी चलते बने। पाकिस्तानी टीम का जब तीसरा विकेट गिरा, उस समय तक स्कोर 167 रन था।

यहां से कप्तान मसूद ने सऊद शकील के साथ चौथे विकेट के लिए 45 रन जुटाते हुए टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। मसूद 176 गेंदों में 87 रन बनाकर आउट हुए।

246 के स्कोर तक पाकिस्तान ने मोहम्मद रिजवान (19) का विकेट भी गंवा दिया था। यहां से सलमान आगा ने सऊद शकील के साथ छठे विकेट के लिए 70 रन जुटाते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। आगा 45 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शकील ने 66 रन टीम के खाते में जोड़े।

पाकिस्तान की इस पारी में बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने 42.4 ओवर गेंदबाजी की। इस दौरान उन्होंने 102 रन देकर 7 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, साइमन हार्मर ने 2 सफलताएं हासिल कीं।

ग्रुप एडिटरः अर्शदीप सिंह, एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल*, मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। आरएनआई पंजीकरण संख्याः CHMUL/25/A1155
*इस अंक में प्रकाशित सभी समाचार पीआरबी के चयन एवं संपादन हेतु हैं। अधिनियम के अंतर्गत सभी उत्तरदायित्व और उससे उत्पन्न सभी विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होंगे। वर्ष 1 अंक 46